नई दिल्ली ■ शुक्रवार 27 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 358 ■ पृष्ठ 08

JBT **जनभावना टाइम्स**

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 राम से मर्यादा पुरुषोत्तम 'श्री राम' | 07 अनमोल और साक्षी राणा ने हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार के लिए नामित | 'आखरी सवाल' का दमदार पोस्टर रिलीज 08

आंध्र प्रदेश सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत, 23 घायल

मार्कापुरम। आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में रायावरम के पास गुरुवार सुबह तेज रफ्तार टिप्पर (ट्रक) और निजी बस के बीच जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। इस हादसे 14 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि 23 घायल हैं। मार्कापुरम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वी. हर्षवर्धन राजू ने बताया कि इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई है और चालक सहित 23 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह 6:00 से 6:30 बजे के बीच रायावरम गांव के पास हुई। 'हरिकृष्णा ट्रेवल्स' की निजी बस तेलंगाना के निर्मल से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर की ओर जा रही थी। मार्कापुरम के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब बस एक मोड़ ले रही थी। तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार टिप्पर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों में तुरंत आग लग गई, जिससे यात्रियों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के वक्त बस में करीब 40 यात्री सवार थे। बस के अगले हिस्से में बैठे लगभग 10 यात्री किसी तरह जान बचाकर निकलने में सफल रहे, लेकिन पिछले हिस्से में बैठे लोग आग की लपटों में फंस गए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर स्थिति का जायजा लिया है।

उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय विधायक कंदुला नारायण रेड्डी ने भी घटनास्थल का दौरा कर राहत कार्यों की समीक्षा की। पुलिस अभी भी मृतकों की पहचान करने और दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच करने में जुटी है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश बस हादसे पर जताया दुख, पीएमएनआरएफ से अनुग्रह राशि देने की घोषणा

नई दिल्ली, 26 मार्च (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण सड़क हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, "आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुई दुखद बस दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।" उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एक्स पर पोस्ट किया, "आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुआ दुखद बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में, मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं।

बांग्लादेश में बस के नदी में गिरने से 24 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में एक बस के परिवहन नौका पर चढ़ने की कोशिश के दौरान नदी में गिर जाने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस दक्षिण-पश्चिमी राजबारी जिले में दौलाडिया टर्मिनल पर बुधवार शाम करीब सवा पांच बजे पद्मा नदी में गिर गई। अधिकारियों का अनुमान है कि ढाका जा रही इस बस में बच्चों समेत करीब 40 यात्री सवार थे और उनमें से अधिकतर ईद की छुट्टियां मनाकर राजधानी लौट रहे थे।

ईरान ने भारत समेत 5 देशों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी

तेहरान/नई दिल्ली। ईरान ने भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान एवं इराक जैसे 'मित्र देशों' को वाणिज्यिक नौवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यह जानकारी दी।

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का परिवहन होता है। पश्चिम एशिया, भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत रहा है।

ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, अराघची ने कहा कि हमने कुछ ऐसे देशों को (होर्मुज जलडमरूमध्य से) गुजरने की अनुमति दी है जिन्हें हम मित्र मानते हैं। हमने चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान को आवागमन की अनुमति दी है। ईरानी विदेश मंत्री ने साथ ही स्पष्ट किया कि ईरान के शत्रुओं से जुड़े पोतों को इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम युद्ध की स्थिति में हैं। यह क्षेत्र युद्ध क्षेत्र बना हुआ है और हमारे दुश्मनों एवं उनके सहयोगियों के पोतों को इससे गुजरने देने का कोई कारण नहीं है लेकिन यह अन्य देशों के लिए खुला है। समाचार एजेंसी 'मेहर' के मुताबिक, संघर्ष समाप्त करने के लिए अन्य देशों द्वारा मध्यस्थता करने के प्रयासों से जुड़े सवाल पर अराघची ने कहा कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं चल रही है। क्षेत्र के कई विदेश मंत्रियों ने तेहरान से संपर्क किया है, लेकिन ईरान का रुख सैद्धांतिक और दृढ़ बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गारंटी 100 प्रतिशत विश्वसनीय नहीं होती हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक नौवहन में व्यवधान को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि वह जलमार्ग को पूरी तरह से नहीं खोलता है तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

पिछले कुछ सप्ताह में भारत ने पश्चिम एशिया में संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा आपूर्ति का निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने पर केंद्रित कूटनीतिक प्रयास किए हैं। भारत का मानना है कि यदि इस नौवहन मार्ग पर अवरोध जारी रहा तो भारत सहित कई देशों की ईंधन और उर्वरक सुरक्षा पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं।

अमेरिका ने खार्ग द्वीप पर हमला किया तो वह बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य पर कब्जा कर लेगा

तेहरान। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका खार्ग द्वीप पर हमला करता है, तो वह युद्ध में एक नया मोर्चा खोल देगा और बेहद अहम लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाले बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य व्यापार मार्ग को बाधित कर देगा। इसके अलावा, हूती विद्रोही समूह ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के दौरान ईरानी शासन को मदद की जरूरत पड़ी तो वे 20 मील चौड़े इस जलडमरूमध्य पर कब्ज़ा करने में मदद करेंगे।

एयर इंडिया की लंदन जा रही फ्लाइट सात घंटे हवा में रहने के बाद दिल्ली लौटी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया के ए-350 विमान में फिर आई तकनीकी गड़बड़ी आई है, जिसके चलते लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट जा रही फ्लाइट संख्या एआई-111 एहतियातन बीच रास्तें दिल्ली वापस लौटी। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि लंदन जा रहे एयर इंडिया के ए-350 विमान में तकनीकी खराबी आई है। उड़ान भरने के करीब 7 घंटे बाद एहतियात के तौर पर बीच रास्तें से वापस लौटने का फैसला किया और सुरक्षित रूप से वापस दिल्ली आ गई है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस विमान की विस्तृत तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है और पूरी प्रक्रिया सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत की जा रही है।

छत्तीसगढ़: पुलिस महानिरीक्षक रतन लाल डांगी निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रतन लाल डांगी पर आज सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोशल मीडिया पर रतनलाल डांगी के आपत्तिजनक फोटो वायरल होने पर गृह विभाग ने यह कार्रवाई की है।

गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में सेवा नियमों के उल्लंघन और पद की गरिमा के प्रतिकूल आचरण का उल्लेख किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सोशल मीडिया में आपत्तिजनक फोटो वायरल होने से पुलिस विभाग की छवि पर नकारात्मक असर पड़ा है। इस आधार पर उनके खिलाफ अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम 1968 के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। फिलहाल आईपीएस रतन लाल डांगी को निलंबित कर विभागीय जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आईजी रतन लाल डांगी पर आरोप है कि उन्होंने गरिमापूर्ण पद पर रहते हुए आचरण के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया। उनके ऊपर अनैतिक और अशोभनीय आचरण करने का आरोप लगा है।

लश्कर-ए-तैयबा मॉड्यूल पर सीआईके ने की कश्मीर भर में 10 ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने गुरुवार को कश्मीर भर में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल की चल रही जांच के तहत की गई।

एक अधिकारी ने बताया कि तीन जिलों में 10 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिनमें से छह गांदरबल में, तीन शोपियां में और एक श्रीनगर में है। उन्होंने बताया कि यह जांच लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कश्मीरी मूल निवासी शब्बीर अहमद लोन के निर्देशित आतंकी मॉड्यूल से संबंधित है, जो वर्तमान में बांग्लादेश में है। अधिकारियों ने बताया कि गांदरबल जिले के कंगन इलाके का निवासी लोन विदेश से काम कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि इस मामले का संबंध एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से है और मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में स्थित एलईटी संचालकों से निर्देश मिल रहे हैं।

कांकेर में एसीएम कैडर के 6 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव-कांकेर बॉर्डर डिविजन के 5 नक्सली कैडर एवं मिलिट्री कंपनी नंबर-5 की एक महिला नक्सली सहित कुल 6 नक्सलियों ने अपने साथ एक एसएलआर रायफल, दो 303 रायफल के साथ कांकेर एसपी कार्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। इसकी पुष्टि कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने की।

एक साथ टेक ऑफ और लैंडिंग की सुविधा वाला तीसरा एयरपोर्ट होगा नोएडा

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन का काउंट डाउन शुरू हो गया है। 28 मार्च को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। उन्होंने ही 4 वर्ष पूर्व इसका शिलान्यास किया था। एयरपोर्ट निर्माण का पहला चरण पूरा होने के बाद यहां 3.9 किलोमीटर का रन वे बनकर तैयार है।

इस विशाल रन वे पर विमान समानांतर रूप से एक साथ उड़ान भर सकेंगे और लैंडिंग भी कर सकेंगे। 45 मीटर चौड़ाई वाले रन वे में आईएलएस तकनीकी के अत्याधुनिक सिस्टम कैट थ्री का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे समानांतर उड़ानों में कोई परेशानी नहीं आएगी। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एसीईओ और एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि देश में इस समय सिर्फ मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट पर ही समानांतर उड़ान की सुविधा है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर चार रन वे हैं, जो एक साथ कई उड़ानें और लैंडिंग संभालने में सक्षम हैं।

अक्सर यहां पर समानांतर लैंडिंग होती है। उन्होंने बताया कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी समानांतर उड़ान व लैंडिंग की सुविधा है। इन दोनों के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का तीसरा हवाई अड्डा होगा,जहां पर लोगों को यह सुविधा मिलने वाली है।

आईएलएस सिस्टम होने से खराब मौसम में भी विमानों की उड़ान और लैंडिंग में कोई परेशानी नहीं आएगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में घने कोहरे,बहुत कम विजिबिलिटी और बारिश के दौरान भी विमानों की उड़ान और लैंडिंग हो सकेगी। आमतौर पर पायलट इस तकनीकी का इस्तेमाल तब करते हैं, जब उन्हें बाहर कुछ भी दिखाई न दे रहा हो और लैंडिंग के लिए पूरी तरह से उन्हें तकनीकी पर निर्भर होना पड़ता है।

पुलिस ने 11 शातिर बदमाशों को किया गिरफ्तार असलहा, चोरी की बाइक व शराब-गांजा बरामद

नोएडा। 28 मार्च को नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लोकार्पण और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली के लिए प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने में जुटी पुलिस ने गुरुवार को 11 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से असलहा, चोरी की बाइक व शराब-गांजा सहित अन्य सामान बरामद किया है।

थाना जारचा के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना पुलिस ने गोपनीय सूचना की सहायता से कार्यवाही करते हुए अवैध शराब की तस्करी करने वाले 2 अभियुक्त चन्द्रपाल पुत्र प्रसादी तथा जितेन्द्र पुत्र ओमवीर को कलौंदा शमशान घाट तिराहा से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि बदमाशों के कब्जे से 75 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब हरियाणा मार्का व तस्करी में प्रयुक्त होने वाली कार बरामद की है। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि एक सूचना का आधार पर थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर सोने का सिक्का, 15 सौ रुपए नकद आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी नशे का आदी है। यह राह चलते लोगों से लूटपाट करता है।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने 10 दिन पूर्व नोएडा स्टेडियम के पास एक महिला से सोने की चेन छीनी थी। उन्होंने बताया कि इस बदमाश ने लूटपाट की कई वारदातें करने स्वीकार की है। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने इमरान पुत्र राजवली और मोहम्मद सोनू पुत्र सैफुद्दीन को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने चोरी की एक मोटरसाइकिल तथा मोटरसाइकिल के खुले हुए पार्ट्स बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी वाहन चोरी की वारदातें करते है। इन्होंने एनसीआर में वाहन चोरी की कई वारदात की है। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि एक सूचना का आधार पर थाना पुलिस ने प्रवेश यादव पुत्र वीरपाल को यदू पब्लिक स्कूल सेक्टर-73 के पास से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि तलाशी लेने पर इसके पास से पुलिस को एक अवैध चाकू मिला है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह चोरी करने की नीयत से अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। थाना फेस-2 के प्रभारी ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने सैमसंग कंपनी के पास से राकेश उर्फ गोविंद पुत्र नन्नू कुमार को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि तलाशी लेने पर इसके पास से पुलिस को एक चाकू मिला है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह चोरी करने की नीयत से अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में विशेष पुत्र सुरेंद्र को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने एक अवैध चाकू बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह चोरी करने की नीयत से घूम रहा था। उन्होंने बताया कि इसकी गिरफ्तारी इलाहाबास गांव के पास से हुई है। इसके अलावा थाना पुलिस ने शिव पुत्र जितेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने एक देशी तमंचा और कारतूस बरामद किया है। इसकी गिरफ्तारी याकूबपुर गांव के पास से हुई है।

थाना सेक्टर-142 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने आकाश को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 1 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी काफी दिनों से अवैध रूप से गांजा बेच रहा था। उन्होंने बताया कि इसकी गिरफ्तारी सेक्टर-140 कट के पास से हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में थाना पुलिस ने अनुज पुत्र राजू को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि तलाशी लेने पर इसके पास से पुलिस को एक अवैध चाकू मिला है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से अवैध हथियार लेकर घूम रहा था।

पीएम कल नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का करेंगे उद्घाटन

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को उत्तर प्रदेश के नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के फेज-1 का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री शनिवार को सुबह लगभग 11:30 बजे गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 12 बजे प्रधानमंत्री नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे। करीब 11,200 करोड़ की लागत से विकसित यह एयरपोर्ट भारत के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स में से एक है। इसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत तैयार किया गया है। फेज-1 में एयरपोर्ट की सालाना यात्री क्षमता 12 मिलियन (एमपीपीए) होगी, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 70 मिलियन तक किया जा सकेगा। यह एयरपोर्ट 3,900 मीटर लंबे रनवे से लैस है, जो बड़े विमानों के संचालन में सक्षम होगा। साथ ही इसमें आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और अत्याधुनिक एयरफील्ड लाइटिंग जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं, जिससे हर मौसम में 24x7 संचालन संभव होगा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें सड़क, रेल, मेट्रो और क्षेत्रीय परिवहन प्रणालियों का सहज एकीकरण होगा। यह दिल्ली-एनसीआर के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में कार्य करेगा और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दबाव कम करने में मदद करेगा। एयरपोर्ट में एक अत्याधुनिक कार्गो हब भी विकसित किया गया है, जो शुरुआत में 2.5 लाख मीट्रिक टन सालाना कार्गो संभाल सकेगा और भविष्य में इसे 18 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जा सकेगा। इसके अलावा 40 एकड़ में मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा भी बनाई गई है। पर्यावरण के लिहाज से यह परियोजना खास है, जिसे नेट-जीरो उत्सर्जन वाले एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी डिजाइन भारतीय सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है, जिसमें घाट और हवेलियों की झलक देखने को मिलती है। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को नई गति देने के साथ-साथ भारत को वैश्विक एविएशन हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ग्रेनो में अंतरराष्ट्रीय स्तर का हॉकी स्टेडियम बनाने का काम जल्द शुरू होगा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-37 में हॉकी स्टेडियम बनाने की तैयारी तेज कर दी गई है। विकासकर्ता एजेंसी का चयन करने के लिए प्राधिकरण ने निविदा जारी की है। इच्छुक फर्में 13 अप्रैल तक आवेदन कर सकती हैं। निविदा की प्रक्रिया पूरी कर अगले दो से तीन माह में काम शुरू होने की उम्मीद है। खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। अधिकारी के मुताबिक पहले चरण में सिंथेटिक हॉकी टर्फ (कृत्रिम हॉकी घास मैदान) के अलावा जल निकासी के लिए आरसीसी नाली, फुटपाथ और पानी के छिड़काव के लिए आधुनिक व्यवस्था की जाएगी। हॉकी मैदान अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 101.4 मीटर और 63 मीटर का होगा। इस पूरी परियोजना की लागत करीब 10.5 करोड़ रुपये है। खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। पहले चरण का काम एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रहेगा। इसके बाद आगे की योजना बनाई जाएगी। यह जिले का पहला हॉकी स्टेडियम होगा,जिसमें छह हजार से अधिक दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। यहां बहुमंजिला पार्किंग का भी निर्माण किया जाएगा।

गौतमबुद्ध नगर से सपा का चुनावी शंखनाद: 29 मार्च को अखिलेश यादव की बड़ी 'सद्भावना रैली'

गौतमबुद्ध नगर। समाजवादी पार्टी (सपा) एक बार फिर पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करने जा रही है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव 29 मार्च को गौतमबुद्ध नगर के दादरी स्थित मिहिर भोज डिग्री कॉलेज में आयोजित होने वाली सद्भावना रैली के जरिए चुनावी आगाज करेंगे। इस रैली को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले वर्ष 2011 में भी अखिलेश यादव ने अपनी चर्चित 'साइकिल यात्रा' की शुरुआत गौतमबुद्ध नगर से ही की थी। उस यात्रा के माध्यम से उन्होंने पूरे उत्तर प्रदेश का दौरा किया था, जिसका राजनीतिक असर यह हुआ कि 2012 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को बहुमत मिला और प्रदेश में सपा की सरकार बनी। ऐसे

में एक बार फिर उसी धरती से चुनावी अभियान की शुरुआत को पार्टी के लिए शुभ संकेत के रूप में देखा जा रहा है। 29 मार्च को प्रस्तावित इस सद्भावना रैली में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। पार्टी के स्थानीय नेताओं का कहना है कि यह रैली न केवल संगठन को मजबूती देगी, बल्कि आगामी चुनावों के लिए माहौल भी तैयार करेगी। रैली में किसानों, युवाओं और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाए जाने की संभावना है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के उत्तर प्रदेश सचिव सुनील चौधरी आज नोएडा में एक महत्वपूर्ण बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में सभी गांवों और सेक्टरों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य रैली को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार करना और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपना है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बैठक में भीड़ जुटाने, परिवहन व्यवस्था, सुरक्षा और कार्यक्रम के सुचारु संचालन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मजबूत पकड़ बनाने के लिए सपा का यह कदम अहम साबित हो सकता है।

नोएडा में सीबीआई अधिकारी बनकर 1.29 करोड़ की ठगी में शामिल दो साइबर ठग गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में साइबर अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम पुलिस ने आज 2 वांछित साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ठगों ने बीते दिनों एक शख्स को 'डिजिटल अरेस्ट' कर सीबीआई जांच के नाम पर 1.29 करोड़ रुपए से अधिक की रकम की ठगी की थी। इस मामले में दो ठगों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जानकारी के अनुसार थाना साइबर क्राइम पुलिस ने एक शख्स को 'डिजिटल अरेस्ट' कर 1,29,61,962 रुपये की ठगी करने वाले वांछित अभियुक्त नरेन्द्र सिंह पुत्र राम सनेही तथा इंद्रेश पुत्र ज्ञान सिंह को जनपद आगरा व जनपद भिन्ड (मप्र) से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 2 मोबाइल फोन बरामद किए गए है। डीसीपी साइबर क्राइम ने ने बताया कि अभियुक्तों ने एक पीड़िते को फर्जी अधिकारी बनकर फोन किया और डराया कि उनके विरुद्ध सीबीआई द्वारा जांच की जा रही है। गिरफ्तारी का भय दिखाकर उन्होंने पीड़ित से कुल 1,29,61,962 रुपये की ठगी की। जिसमें अभियुक्त द्वारा करीब 48.95 लाख रुपये प्राप्त किए गए थे। उन्होंने

बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि अभियुक्तों के संयुक्त बैंक खातों के विरुद्ध भारत वर्ष में भिन्न-भिन्न राज्यों से 8 शिकायतें (उत्तर प्रदेश-1, कर्नाटक-1, तमिलनाडु-2, दिल्ली-1, गुजरात-1, पश्चिम बंगाल-1 व जम्मू कश्मीर-1) दर्ज है। जिनमें धोखाधड़ी से सम्बन्धित करीब 2 करोड़ 20 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त की गयी है। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों के 2 साथियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

नोएडा: दादरी में मोमोज खाने से कई लोग हुए बीमार, जांच में जुटी पुलिस

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के कस्बा दादरी में रहने वाले कई लोग मोमोज खाने से बीमार हो गए। उन्हें उल्टी, पेट दर्द, सिर दर्द और बुखार की शिकायत है। उन्हें उपचार के लिए दादरी के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इन लोगों ने एक ही दुकान से मोमोज खरीदा था। घटना के बाद दुकानदार फरार है। दादरी के प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र के डॉक्टर काशिफ नदीम आलम ने बताया कि गुरुवार को दोपहर 2 बजे से शाम तक दर्जन भर मरीज आए हैं। उन्होंने बताया है कि उनके पेट में दर्द, लूज मोशन, सिर में दर्द और बुखार है। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने दादरी तहसील के पास स्थित एक मोमोज की दुकान से मोमोज खरीद कर खाया है। उन्होंने बताया कि मरीजों को इंजेक्शन और दवा दी गई है। उन्हें भर्ती करके उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मरीजों की स्थिति सामान्य है। उन्होंने

आशंका व्यक्त की है कि यह मामला फूड प्वाइजनिंग का है। उन्होंने बताया कि पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है। दादरी नगर पालिका के सभासद मोहम्मद आरिफ ने बताया कि उनकी बहन और उसके बच्चे घर पर आए थे। ये लोग मोमोज की दुकान से मोमोज खरीद कर लाए। उन्हें खाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस से उन्होंने मोमोज वाले के खिलाफ शिकायत की है। उनके अनुसार उनके परिवार के 10 लोग बीमार हैं। वहीं मोमोज खाने से बीमार सैंडी ने बताया कि उसने मोमोज की दुकान से ममोज खरीद कर खाया था। उसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसके अनुसार उसके और उसके परिवार के लोगों की भी मोमोज खाने से तबीयत खराब हुई है। वहीं थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि मोमोज बेचने वाला दुकानदार फरार है। उन्होंने बताया कि तीन परिवार के लोग उक्त दुकानदार से मोमोज खरीद कर खाने के लिए लाए थे।

यूपी की अर्थव्यवस्था का गेमचेंजर होगा जेवर एयरपोर्ट, कृषि से उद्योग तक दिखेगा व्यापक असर

नोएडा। जेवर में बना नया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहा है। 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करने जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश का यह मेगा प्रोजेक्ट केवल एक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक मजबूत स्ट्रेटेजिक इंजन के रूप में काम करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप विकसित यह एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के लंबे समय से "लैंड-लॉक्ड" आर्थिक पोटेंशियल को अनलॉक करेगा और कृषि, एमएसएमई, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन व उद्योगों को सीधे वैश्विक बाजार से जोड़ेगा। बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण और मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के चलते यह परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश को जीडीपी को नई गति देगी, बल्कि उत्तर

प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर एक मजबूत पहचान भी दिलाएगी। पूर्व सीएफओ, एयर इंडिया सैट्स और यूपीडीएफ के चेयरमैन (सीए) पंकज जायसवाल के अनुसार, भारत का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनने जा रहा यह प्रोजेक्ट 7 करोड़ यात्रियों की वार्षिक क्षमता और इसके बाद 10 लाख टन कार्गो हैंडलिंग के साथ कृषि, एमएसएमई और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को नई गति देगा। इसके जरिए फल, सब्जी, डेयरी और सजावटी फूल जैसे पेरिशेबल उत्पाद सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचेंगे, जिससे "फार्म-टू-ग्लोबल मार्केट" मॉडल मजबूत होगा और किसानों की आय में 20–30 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना है। उन्होंने बताया कि लॉजिस्टिक्स लागत घटने, निर्यात बढ़ने और वैश्विक कनेक्टिविटी बेहतर होने से उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मानचित्र पर एक सशक्त पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में व्यापार और पर्यटन के नए आयाम स्थापित करने जा रहा है। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, आगरा, मथुरा, वृंदावन और वाराणसी जैसे प्रमुख धार्मिक शहरों को एक वैश्विक पर्यटन सर्किट से जुड़ेगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी के चलते धार्मिक पर्यटन, मेडिकल टूरिज्म और बिजनेस ट्रैवल को भी नई गति मिलेगी।

नोएडा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियार के साथ 15 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर में अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सूरजपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित 15 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 25 मार्च को थाना सूरजपुर की टीम ने कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अभियुक्त अभिषेक गौतम उर्फ रवि को ग्राम खेड़ी कट क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी की गिरफ्तारी लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। उसकी गिरफ्तारी के लिए डीसीपी सेंट्रल नोएडा द्वारा 15 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

पूछताछ में सामने आया है कि अभियुक्त अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह चलाता था। यह गिरोह मुख्य रूप से घरों में घुसकर चोरी और नकबजनी की घटनाओं को अंजाम देता था। आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ सूरजपुर थाने में कई संगीन धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। गैंगस्टर एक्ट के तहत भी इनके खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है, जिसके

बाद से आरोपी फरार चल रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अभिषेक गौतम उर्फ रवि (31 वर्ष) पुत्र गोविंद निवासी गौतमपुरी, कस्बा एवं थाना दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ वर्ष 2025 और 2026 में चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट और अन्य आपराधिक धाराओं में कुल सात मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी के अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी सूरत में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

यूपी रेरा का बड़ा फैसला: नियमों में 10वां संशोधन अब घर खरीदारों को मिलेगी बड़ी राहत

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और उपभोक्ता हितों को मजबूत करने के उद्देश्य से अपने सामान्य विनियम, 2019 में 10वां संशोधन लागू कर दिया है। यह संशोधन 25 मार्च 2026 से प्रभावी हो चुका है। प्राधिकरण द्वारा किए गए ये बदलाव खास तौर पर घर खरीदारों को राहत देने और डेवलपर्स की जवाबदेही तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं। यूपी रेरा ने इस संशोधन के तहत विनियम 24 और 47 में अहम बदलाव किए हैं। इन बदलावों का सबसे बड़ा फायदा उन खरीदारों को मिलेगा, जिन्होंने ऐसी परियोजनाओं में निवेश किया है जो रेरा में पंजीकृत नहीं हैं। लंबे समय से यह सवाल बना हुआ था कि अपंजीकृत परियोजनाओं के आवंटी रेरा के तहत शिकायत दर्ज कर सकते हैं या नहीं। अब इस संशोधन के जरिए इस स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया गया है। नए प्रावधानों के अनुसार, अपंजीकृत परियोजनाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई अब यूपी रेरा की पीठों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत की जाएगी। इससे पहले यह तय किया जाएगा कि संबंधित परियोजना को पंजीकरण से छूट है या नहीं। यदि पंजीकरण आवश्यक पाया जाता है, तो

इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए मामला सचिव को भेजा जाएगा। इसके बाद ही शिकायत के गुण-दोष के आधार पर निर्णय लिया जाएगा और खरीदार को उचित राहत प्रदान की जाएगी। इस व्यवस्था के लागू होने से अब ऐसे खरीदारों को इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिन्हें अब तक न्याय पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही, यूपी रेरा जल्द ही अपने पोर्टल पर एक नई सुविधा भी शुरू करेगा, जिससे प्रभावित लोग फॉर्म-एम के माध्यम से अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज कर सकेंगे। वहीं, विनियम 47 में किए गए संशोधन के तहत प्रशासनिक और प्रोसेसिंग शुल्क को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यदि किसी आवंटी की मृत्यु हो जाती है और संपत्ति का हस्तांतरण परिवार के सदस्य को किया जाता है, तो प्रमोटर अधिकतम 1,000 रुपये ही शुल्क ले सकेगा। वहीं, गैर-परिवार सदस्य को हस्तांतरण के मामले में यह शुल्क अधिकतम 25,000 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, ऐसे मामलों में नया एग्रीमेंट करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि मौजूदा अनुबंध में ही संशोधन कर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे खरीदारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने कहा कि यह संशोधन रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने भरोसा जताया कि इससे शिकायत निवारण प्रक्रिया और अधिक प्रभावी और उपभोक्ता-अनुकूल बनेगी। यूपी रेरा का यह निर्णय लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान की दिशा में एक बड़ी पहल है, जिससे हजारों घर खरीदारों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने 10वीं में प्रवेश लेने वाली 1100 छात्राओं को साइकिल वितरित की
कन्या पूजन कार्यक्रम में कहा- पढ़ाई में नहीं आएगी कोई बाधा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर शालीमार बाग विधानसभा के सरकारी स्कूलों में इस वर्ष 10वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली 1100 छात्राओं को साइकिल वितरित की। यह कार्यक्रम पीतमपुरा स्थित सर्वोदय विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। साइकिल प्राप्त कर कई छात्राएं भावुक हो उठीं और उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बेटियों को 'देवी स्वरूपा' बताते हुए उन्हें नमन किया और कहा कि नवरात्रि केवल पूजा का नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान और उनके सशक्त भविष्य का संकल्प लेने का पर्व है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में प्रस्तुत दिल्ली बजट में उन्होंने बेटियों, बहनों और महिलाओं के लिए अधिकतम योजनाएं शामिल करने का प्रयास किया है ताकि समाज का यह वर्ग सशक्त और आत्मनिर्भर बन सके। मुख्यमंत्री ने भावुक अंदाज में 'लखपति बिटिया योजना' का उल्लेख करते हुए कहा कि अब दिल्ली में जन्म लेने वाली हर बेटी के भविष्य की आर्थिक नींव सरकार खुद रखेगी। उन्होंने बताया कि बेटी के जन्म से लेकर पहली, छठी, नौवीं, बारहवीं कक्षा और फिर कॉलेज के प्रत्येक वर्ष तक सरकार सीधे उसके खाते में आर्थिक सहायता जमा करेगी। ग्रेजुएशन पूरी करने तक हर बेटी को लगभग 1.25 लाख रुपये की सहायता मिलेगी, जिससे वह 'लखपति बिटिया' बनकर आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह चाहती हैं कि दिल्ली की हर बेटी स्कूल ही नहीं, कॉलेज तक पढ़े, अपने पैरों पर खड़ी हो और अपना भविष्य खुद बनाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उन्होंने छात्राओं से उनकी समस्याएं जानीं तो पता चला कि स्कूल आने-जाने में कठिनाई के कारण कई बार पढ़ाई प्रभावित होती है, यहां तक कि कुछ बच्चियों को स्कूल छोड़ना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए सरकार ने निर्णय लिया कि हर वर्ष दसवीं कक्षा में आने वाली प्रत्येक छात्रा को साइकिल दी जाएगी। इस वर्ष लगभग 1,30,000 छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां नौवीं उत्तीर्ण छात्राओं को साइकिल सरकार की ओर से दी जाएगी, वहीं इस अवसर पर 10वीं में पहुंची छात्राओं को उन्होंने व्यक्तिगत पहल के तहत साइकिल भेंट की है। मुख्यमंत्री ने कुछ राजनीतिक टिप्पणियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि बेटियों को साइकिल देने जैसी योजना पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां बेहद शर्मनाक हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां देवी हैं, उनके भविष्य के लिए बनाई गई योजना पर ऐसी बातें करना दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसी सोच पर उन्हें शर्म आती है। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए अपने पिता की सीख साझा की और कहा कि परिस्थितियों के अनुसार डटकर जवाब देना सीखें, डरें नहीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दिल्ली सरकार उनकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी लेती है और हर बेटी को आगे बढ़ने का पूरा अवसर दिया जाएगा।

बेटियों को इतना बड़ा बनना है कि माता-पिता, समाज और देश उन पर गर्व करे। उन्हें पूरा विश्वास है कि दिल्ली की हर बेटी अपना भविष्य खुद लिखेगी। मुख्यमंत्री ने छात्राओं के बीच जाकर उनसे सीधे संवाद किया। मुख्यमंत्री से मिलकर कई छात्राएं भावुक नजर आईं तो कई छात्राओं के आंसू छलक पड़े। किसी ने आईएएस बनने का सपना साझा किया तो किसी ने साइकिल मिलने से समय पर स्कूल पहुंचने की खुशी जताई। एक छात्रा ने कहा कि उसने कभी सोचा नहीं था कि उसे मुख्यमंत्री से मिलने का अवसर मिलेगा और बेटियों के लिए इतनी योजनाएं देखकर वह बेहद खुश है। संवाद के दौरान छात्राओं ने भी मुख्यमंत्री के प्रति अपना उत्साह और आभार व्यक्त किया।

एक छात्रा ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री से मिलकर अत्यंत खुशी हो रही है और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें इस प्रकार मिलने का अवसर मिलेगा। उस छात्रा ने मुख्यमंत्री द्वारा लड़कियों के लिए किए जा रहे कार्यों को सराहनीय व प्रेरणादायक बताया। एक अन्य छात्रा ने साइकिल योजना के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि कई छात्राओं को दूरी और परिवहन की समस्याओं के कारण समय पर स्कूल पहुंचने में कठिनाई होती थी, लेकिन अब साइकिल मिलने से वे समय पर स्कूल पहुंच सकेंगी और अपनी पढ़ाई बेहतर तरीके से जारी रख पाएंगी। मुख्यमंत्री ने सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया और आश्वासन दिया कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

अक्षरधाम मंदिर में पूरे विधि-विधान से स्थापित की गयी नीलकंठ वर्णी की 108 फुट ऊंची प्रतिमा

नई दिल्ली। दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर में भगवान स्वामीनारायण के बाल तपस्वी स्वरूप का प्रतिनिधित्व करती नीलकंठ वर्णी की पंचधातु से बनी 108 फुट ऊंची प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा समारोह गुरुवार को सम्पन्न हो गया। प्राण प्रतिष्ठा बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के प्रमुख महंतस्वामी महाराज के सान्निध्य में वैदिक विधियों और अनुष्ठान के साथ किया गया। समारोह में देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अक्षरधाम परिसर में आज सुबह 6 बजे नीलकंठ वर्णी की प्रतिष्ठा के अनुष्ठानों का शुभारम्भ हुआ और प्राचीन वैदिक परंपराओं के अनुसार पूर्ण श्रद्धा और पवित्रता के साथ सम्पन्न हुआ। इसके अन्य अनुष्ठानों की शुरूआत 25 मार्च से ही शुरू हो गए थे। बुधवार को महंतस्वामी महाराज की उपस्थिति में विश्व शांति महायज्ञ हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शांति के प्रतीक सफेद कबूतरों को आकाश में छोड़कर पश्चिम एशिया में युद्ध विराम के लिए प्रार्थना की गई। प्राण प्रतिष्ठा के बाद महंतस्वामी महाराज ने कहा कि यह सबसे सुंदर मूर्ति है। यह सम्पूर्ण विश्व में शांति का प्रसार करेगी। जो भी यहां नीलकंठ वर्णी के दर्शन करने आएगा, वह सद्गुणों की प्रेरणा पाएगा और कल्याण को प्राप्त करेगा। यह मूर्ति श्रद्धालुओं की भावनाओं और शुभ मनोकामनाओं को भी पूर्ण करेगी। अक्षरधाम मंदिर परिसर में स्थापित नीलकंठ वर्णी 108 फुट ऊंची यह प्रतिमा श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक साधना का सशक्त प्रतीक है। स्वामीनारायण के बाल तपस्वी स्वरूप का प्रतिनिधित्व करती यह प्रतिमा नीलकंठ वर्णी को एक चरण पर गहन ध्यानमग्न मुद्रा में दर्शाती है।

कौन हैं तपोमूर्ति नीलकंठ वर्णी

भगवान स्वामीनारायण ने मात्र 11 वर्ष की आयु में गृह त्याग कर मानव कल्याण के लिए पूरे भारत में आध्यात्मिक यात्रा शुरू की थी। सात वर्षों में उन्होंने करीब 12,000 किलोमीटर की यात्रा की और हिमालय, बद्रीनाथ, केदारनाथ, कैलाश-मानसरोवर, मुक्तिनाथ (नेपाल), कामाख्या, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम, नासिक, पंढरपुर और द्वारका जैसे तीर्थों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें 'नीलकंठ वर्णी' के नाम से जाना गया।

प्रतिमा की विशेषता

- एक चरण पर अडिग खड़ी विश्वभर में संभवतः एकमात्र सबसे विशाल प्रतिमा है। आठ फुट ऊंचे पृष्ठतल पर इसे स्थापित किया गया है।
- इसके निर्माण में तकरीबन एक वर्ष का समय लगा और इसका निर्माण पंचधातु से हुआ है, जिसमें मुख्य रूप से कांस्य धातु का उपयोग।
- इसको बनाने में अक्षरधाम के शिल्पी संतों, लगभग 50 कारीगरों ने सहयोग किया है।
- पुलहाश्रम (मुक्तिनाथ) में स्वामीनारायण ने नीलकंठ वर्णी के रूप में चार मास तक एक पैर पर खड़े तपस्या करने का प्रतीक है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने 'शीशमहल' का वीडियो पोस्ट किया, इसे 'दिल्ली के रहमान डकैत की कहानी' बताया

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक निवास रहे बंगले का एक वीडियो 'धुरंधर 3' शीर्षक से बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए उन्हें ₹दिल्ली का रहमान डकैत₹ बताया। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली के मुख्यमंत्री रहने के दौरान केजरीवाल के आधिकारिक आवास रहे बंगले को 'शीशमहल' कहती रही है। सिंह वीडियो में आवास की भव्य चीजों और उनकी कीमत की जानकारी देते हुए दिख रहे हैं। ब्लॉकबस्टर फिल्म ₹धुरंधर₹ में रहमान डकैत एक पाकिस्तानी गैंगस्टर है। सिंह ने 'एक्स' पर लगभग 15 मिनट का वीडियो साझा किया है जिसमें वह फ्लैगस्टाफ रोड स्थित 6 नंबर बंगले का दौरा करते हुए दिख रहे हैं। यह बंगला 2015 से 2024 तक केजरीवाल का आधिकारिक निवास था और कथित भ्रष्टाचार के कारण भाजपा ने इसे ₹शीश महल₹ कहा। वीडियो में सिंह जकूज़ी और झूमर जैसी विभिन्न चीजों की कीमतों को साझा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में सिंह कहते हैं, ₹ऑटोमैटिक स्लाइडिंग दरवाजे और पर्दे की कीमत 90 लाख रुपये है, कांच से ढकी छत, अच्छी तरह से सुसज्जित दो रसोईघर, बेल्जियम के बर्तन, अमेरिका के फिटनेस उपकरण, भोजन को ऊपर ले जाने के लिए एक लिफ्ट, छह लोगों के परिवार के लिए 14 सीट वाली डाइनिंग टेबल।₹ उन्होंने दावा किया कि बंगले की लागत 80 करोड़ रुपये थी और इसके विस्तार की योजना बनाई गई थी, लेकिन यह साकार नहीं हो सकी क्योंकि 2025 के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्ता से बाहर कर दिया। दिल्ली विधानसभा में सोमवार को पेश की गई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में बंगले के नवीनीकरण में हुई विभिन्न अनियमितताओं को सूचीबद्ध किया गया है। इस बंगले की नवीनीकरण की अनुमानित लागत लगभग आठ करोड़ रुपये थी, लेकिन इसका काम 33.66 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हुआ। सदन में सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान सिंह ने बुधवार को 'शीश महल' में रखी वस्तुओं की एक लंबी सूची पढ़ते हुए पहली बार केजरीवाल की तुलना रहमान डकैत से की थी। उन्होंने कहा, ₹हाल में, एक लोकप्रिय फिल्म 'धुरंधर' रिलीज हुई थी। अरविंद केजरीवाल 'रहमान डकैत' की तरह थे, जिन्होंने दिल्ली के पैसों पर डाका डाला लेकिन हमारी 'धुरंधर' जनता ने पिछले साल ऐसे 'डकैत' को हरा दिया।" आम आदमी पार्टी ने पलटवार करते हुए कहा कि जब केजरीवाल के ₹सरकारी आवास₹ का नवीनीकरण हो रहा था, उसी दौरान प्रधानमंत्री का आवास भी बनाया जा रहा था। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को एक बयान में कहा, ₹मुख्यमंत्री आवास की हर जानकारी सार्वजनिक है, जबकि प्रधानमंत्री के आवास की हर जानकारी गुप्त रखी गई है। शीश महल का मुद्दा भाजपा के प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक था और इसे फरवरी 2025 के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी की हार के कारणों में भी गिना जाता है।

पूर्वी दिल्ली: किशोर की चाकू घोंपकर हत्या, तीन नाबालिग पकड़े गए

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में 16 वर्षीय लड़के की उसके घर के पास कथित रूप से चाकू घोंपकर इसलिए हत्या कर दी गई, क्योंकि वह एक आरोपी को तंग किया करता था। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हत्या के संबंध में तीन नाबालिगों को पकड़ा गया है। उनके मुताबिक, यह घटना बुधवार को तब हुई जब कुछ लोगों ने पीड़ित को घर के बाहर बुलाया। अधिकारियों ने बताया कि इसके कुछ देर बाद वह अपने परिवार को घर के पास बेहोश मिला और उसे फौरन जगप्रवेश चंद अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि लड़के पर 13 से 17 साल की उम्र के तीन लड़कों ने हमला किया था। इस बाबत दयालपुर थाने में मामला दर्ज किया गया और बाद में आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि अपराध में इस्तेमाल चाकू आरोपियों के पास से बरामद कर लिया गया है। एक अधिकारी के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि पीड़ित उनमें से एक को तंग किया करता था जिस वजह से कथित रूप से इस वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित की मां ने आरोप लगाया कि हमलावर उसके बेटे को जानते थे और वह उसे बहला-फुसलाकर बाहर ले गए थे। पीड़ित की मां ने कहा, ''उसे तीन-चार लड़कों ने बुलाया था।

रिश्ते के भाई ने महिला पर चाकू से हमला किया, गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार इलाके में पैसों के विवाद में 29 वर्षीय महिला को उसके रिश्ते के भाई ने कथित रूप से चाकू से हमला कर ज़ख्मी कर दिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बुधवार रात करीब 9.45 बजे घटी, जब आरोपी असलम त्रिलोकपुरी निवासी पीड़िता अफसाना के घर पहुंचा और अपने कथित बकाये पैसे की मांग को लेकर उससे बदसलूकी करने लगा। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ₹जब महिला ने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो असलम ने कथित तौर पर उसे जान से मारने की धमकी दी और चाकू से उस पर हमला किया, जिससे उसकी गर्दन पर गंभीर चोट आई। हमले के बाद, आरोपी की मां अफसाना को लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल ले गई, जहां उसे इलाज के लिए भर्ती कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि रात 11.06 बजे घायल महिला के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत अस्पताल पहुंची, जहां अफसाना होश में थी और बयान देने की स्थिति में थी।

बाइक छीनने, लूटपाट की घटनाओं में शामिल सात नाबालिग पकड़े गये

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जन्मदिन मनाने के लिए पैसा जुटाने के वास्ते बाइक छीनने, लूटपाट और चोरी की कई वारदात में शामिल सात नााबलिगों को द्वारका से पकड़ा है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपियों का संबंध द्वारका उत्तर और नजफगढ़ क्षेत्रों में दर्ज कम से कम तीन मामलों से पाया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई मोहन गार्डन निवासी निखिल (22) द्वारा 15 मार्च को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई। अपनी शिकायत में उसने आरोप लगाया था कि अज्ञात व्यक्तियों ने उससे उसकी मोटरसाइकिल और नकदी लूट ली। निखिल ने पुलिस को बताया कि वह अपने भतीजे के साथ मोटरसाइकिल से काकरोला गंडा नाला सर्विस रोड गया था, तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोगों ने उन्हें रोक लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने कथित तौर पर उन्हें चाकू दिखाकर धमकाया, उन पर हमला किया और मोटरसाइकिल और 2,000 रुपये लूटकर फरार हो गये। द्वारका उत्तर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। द्वारका के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कुशल पाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने लगभग 10 किलोमीटर के क्षेत्र में लगे लगभग 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। उन्होंने कहा कि तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी की मदद से, शुरू में छह नाबालिगों को पकड़ा गया और लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद की गई। सिंह ने बताया कि जांच के दौरान, उनके एक और साथी को भी पकड़ा गया और एक और चोरी की मोटरसाइकिल जब्त की गई। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान नाबालिगों ने बताया कि वे अपने एक साथी का जन्मदिन किसी पहाड़ी शहर में मनाना चाहते थे और इसके लिए वे बाइक को बेचकर पैसा जुटाते थे।

रामनवमी पर दिल्ली के उत्तम नगर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, 650 पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ तैनात

नई दिल्ली। रामनवमी के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यहां 650 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। 12 पैरामिलिट्री यूनिट्स को भी लगाया गया है, जिनमें सीआरपीएफ के जवान भी शामिल हैं। प्रशासन ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। स्थिति पर नजर रखने के लिए 25 विशेष पिकेट्स संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर बनाए गए हैं। इनमें उत्तम नगर थाना रोड, कलाई बस्ती, कब्रिस्तान/ईदगाह रोड और वाल्मीकि मंदिर चौक जैसे इलाके शामिल हैं। इसके अलावा उत्तम नगर, डाबरी और बिंदापुर थानों की संयुक्त पुलिस टीमें भी तैनात की गई हैं। भीड़भाड़ और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिसकर्मी मुख्य चौराहों और संकरी गलियों में मौजूद हैं। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए द्वारका जिला ऑपरेशन सेल ने सादे कपड़ों में अंडरकवर टीमों को भी सक्रिय किया है। ये टीमें इलाके में घूमकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही हैं और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार हैं। हाल ही में होली के दौरान हुए तरुण हत्याकांड को देखते हुए यह अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। इस मामले में 26 वर्षीय युवक कीहत्या कर दी गई थी। पुलिस ने अब तक इस केस में 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने साफ किया है कि त्योहार के दौरान शांति भंग करने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। रामनवमी भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जा रही है। यह पर्व सत्य और धर्म की जीत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग व्रत रखते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं और धार्मिक ग्रंथों का पाठ करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, रामनवमी चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व 26 मार्च को मनाया जा रहा है, क्योंकि इस दिन मध्याह्न मुहूर्त पड़ रहा है। नवमी तिथि 26 मार्च को सुबह 11:48 बजे शुरू हुई और 27 मार्च को सुबह 10:06 बजे समाप्त होगी।

संपादकीय

नाटो पर फिर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

पश्चिम एशिया में जंग को लगभग एक महीना होने वाला है। ताजा हालात बताते हैं कि इस इलाके में शांति का फिलहाल कोई संकेत नजर नहीं आ रहा है। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्ध रोकने के लिए ईरान के सामने 15 शर्तों का एक प्रस्ताव रखा था। हालांकि, ईरान ने इन शर्तों को ठुकराते हुए बदले में अपनी 5 शर्तें रख दी, जिसके पूरा होने पर ही उसने युद्ध विराम होने की बात कही। शर्तों की इन अदला-बदली के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कुछ ऐसे बयान सामने आए हैं जो उनकी छटपटाहट को दर्शाते हैं। जंग के बीच ट्रंप ने अब नाटो देशों पर फिर भड़ास निकालते हुए साफ कहा है कि नाटो देशों ने ईरान के खिलाफ चल रहे संघर्ष में अमेरिका की कोई मदद नहीं की है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिका को किसी भी मदद की जरूरत भी नहीं है। ट्रंप का ये बयान ऐसे समय पर आया है, जब जंग का तनाव अपने चरम पर है। अपने बयान में ट्रंप ने ईरान को पागल देश बताते हुए दावा किया कि वह अब सैन्य रूप से कमजोर हो चुका है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को नाटो की मदद की आवश्यकता नहीं है, लेकिन इस बात को कभी नहीं भूलना चाहिए कि सहयोगी देशों ने इस समय साथ नहीं दिया। ट्रंप ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच नाटो देशों पर एक बार फिर से अपना गुस्सा जाहिर किया है। आयरलैंड के प्रधानमंत्री मिशेल मार्टिन से व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान भी ट्रंप नाटो देशों पर अपनी भड़ास निकाल चुके हैं। ट्रंप ने नाटो देशों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ईरान के साथ युद्ध के दौरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित करने में अमेरिका की मदद करने से इनकार कर बेवकूफी भरी गलती की है। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अमेरिका को सहयोगियों की मदद की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकांश नाटो के सहयोगियों से जानकारी मिली है कि वह इस युद्ध में शामिल नहीं होना चाहते हैं, क्योंकि कई देश इस युद्ध को गैर-कानूनी मानते हैं। उन्होंने ईरान जंग और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति को लेकर नाटो सहयोगियों पर कई बार निशाना साधा है। ट्रंप इस बात से नाराज हैं कि नाटो देशों ने होर्मुज जलडमरू मध्य में मदद करने और ईरान के खिलाफ कार्रवाई में साथ देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि नाटो अमेरिका के बिना सिर्फ कागजी शेर है। उन्होंने कहा कि वह इस बेहद महत्वपूर्ण समय को कभी मत भूलना। ट्रंप ने अपने इस बयान के माध्यम से नाटों देशों को एक तरह से सीधी धमकी दे दी है।

राम से मर्यादा पुरुषोत्तम "श्री राम"

श्री राम एक कुशल प्रबंधक थे। वो सभी को साथ लेकर चलने वाले थे। भगवान श्री राम के बेहतर नेतृत्व क्षमता की वजह से ही लंका जाने के लिए पत्थरों का सेतु बन पाया। श्री राम ने अपने सभी भाइयों के प्रति सगे भाई से बढ़कर त्याग और समर्पण का भाव रखा और स्नेह दिया। इसी कारण से भगवान श्री राम के वनवास जाते समय लक्ष्मण जी भी उनके साथ वन गए। यही नहीं भरत ने श्री राम की अनुपस्थिति में राजपाट मिलने के बावजूद भगवान राम के मूल्यों को ध्यान में रखकर सिंहासन पर रामजी की चरण पादुका रख जनता की सेवा की। वनवास में सुन्दर स्त्री बाद में शूर्पणखा निकली। सोने का हिरन बाद में मारीच निकला। भिक्षा माँगने वाला साधू बाद में रावण निकला। लंका में तो निशाचार लगातार रूप ही बदलते दिखते थे। हर जगह भ्रम, हर जगह अविश्वास, हर जगह शंका लेकिन बावजूद इसके जब लंका में अशोक वाटिका के नीचे सीता माँ को रामनाम की मुद्रिका मिलती है तो वो उस पर विश्वास कर लेती हैं। वो मानती हैं और स्वीकार करती हैं कि इसे प्रभु श्री राम ने ही भेजा है।

हेमेन्द्र क्षीरसागर

श्री राम विष्णु के अवतार हैं, वे आदिपुरुष हैं, जो मानव मात्र की भलाई के लिए मानवीय रूप में इस धरा पर अवतरित हुए। मानव अस्तित्व की कठिनाइयों तथा कष्टों का उन्होंने स्वयं वरण किया ताकि सामाजिक व नैतिक मूल्यों का संरक्षण किया जा सके तथा दुष्टों को दंड दिया जा सके। राम ने विषम परिस्थितियों में भी स्थिति पर नियंत्रण रख सफलता प्राप्त की। उन्होंने हमेशा वेदों और मर्यादा का पालन किया। स्वयं के सुखों से समझौता कर उन्होंने न्याय और सत्य का साथ दिया। राम के गुणों की वजह से उनका जीवन सफल हुआ और वो राम से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम कहलाएं।

सहनशीलता व धैर्य भगवान श्री राम का प्रमुख गुण है। अयोध्या का राजा होते हुए भी श्री राम ने संन्यासी की तरह ही अपना जीवन व्यापन किया। यह उनकी सहनशीलता को दर्शाता है। भगवान श्री राम काफी दयालु स्वभाव के रहें। उन्होंने दया कर सभी को अपनी छत्रछाया में लिया। उन्होंने सभी को आगे बढ़ कर नेतृत्व करने का अधिकार दिया। सुग्रीव को राज्य दिलाना उनके दयालु स्वभाव का ही प्रतिक है। हर जाति, हर वर्ग के व्यक्तियों के साथ भगवान राम ने मित्रता की। हर रिश्तें को श्री राम ने दिल से निभाया। केवट हो या सुग्रीव, निषादराज या विभीषण सभी मित्रों के लिए उन्होंने स्वयं कई बार संकट झेले।

श्री राम एक कुशल प्रबंधक थे। वो सभी को साथ लेकर चलने वाले थे। भगवान श्री राम के बेहतर नेतृत्व क्षमता की वजह से ही लंका जाने के लिए पत्थरों का सेतु बन पाया। श्री राम ने अपने सभी भाइयों के प्रति सगे भाई से बढ़कर त्याग और समर्पण का भाव रखा और स्नेह दिया। इसी कारण से भगवान श्री राम के वनवास जाते समय लक्ष्मण जी भी उनके साथ वन गए। यही नहीं भरत ने श्री राम की अनुपस्थिति में राजपाट मिलने के बावजूद भगवान राम के मूल्यों को ध्यान में रखकर सिंहासन पर रामजी की चरण पादुका रख जनता की सेवा की।

वनवास में सुन्दर स्त्री बाद में शूर्पणखा निकली। सोने का हिरन बाद में मारीच निकला। भिक्षा माँगने वाला साधू बाद में रावण निकला। लंका में तो निशाचार लगातार रूप ही बदलते दिखते थे। हर जगह भ्रम, हर जगह अविश्वास, हर जगह शंका लेकिन बावजूद इसके जब लंका में अशोक वाटिका के नीचे सीता माँ को रामनाम की मुद्रिका मिलती है तो वो उस पर विश्वास कर लेती हैं। वो मानती हैं और स्वीकार करती हैं कि इसे प्रभु श्री राम ने ही भेजा है।

जीवन में कई लोग आपको ठगेंगे, कई आपको निराश करेंगे, कई बार आप भी सम्पूर्ण परिस्थितियों पर संदेह करेंगे लेकिन इस पूरे माहौल में जब आप रुक कर पुनः किसी व्यक्ति, प्रकृति या अपने ऊपर विश्वास करेंगे तो श्री रामायण के पात्र बन जाएंगे। राम और माँ सीता केवल आपको विश्वास करना ही तो सिखाते हैं। माँ कठोर हुईं लेकिन माँ से विश्वास नहीं छूटा, परिस्थितियाँ विषम हुई लेकिन उसके बेहतर होने का विश्वास नहीं छूटा, भाई-भाई का युद्ध देखा लेकिन अपने भाइयों से विश्वास नहीं छूटा, लक्ष्मण को मरणासन्न देखा लेकिन जीवन से विश्वास नहीं छूटा, सागर को विस्तृत देखा लेकिन अपने पुरुषार्थ से विश्वास नहीं छूटा, वानर और रीछ की सेना थी लेकिन विजय पर विश्वास नहीं छूटा और प्रेम को परीक्षा और वियोग में देखा लेकिन प्रेम से विश्वास नहीं छूटा।

भरत का विश्वास, विभीषण का विश्वास, शबरी का विश्वास, निषादराज का विश्वास, जामवंत का विश्वास, अहिल्या का विश्वास, कोशलपुर का विश्वास और इस विश्वास पर हमारा-आपका अगाध विश्वास। सच बात यही है कि जिस दिन आपने ये विश्वास कर लिया कि ये विश्व आपके पुरुषार्थ से ही खूबसूरत बनेगा। उसी दिन ही आप श्री राम बन जाएंगे और फिर लगभग सारी परिस्थितियाँ हनुमान बनकर आपको आगे बढ़ाने में लग जाएंगी। यहाँ हर किसी की रामायण है, आपकी भी होगी। जिसमें आपके सामने सब है - रावण, शंका, भ्रम, असफलता, दुःख। बस आपको अपनी तरफ विश्वास रखना है.. आपका राम तत्व खुद उभर कर आता जायेगा। सभी को अपने जीवन का संघर्ष स्वयं करना पड़ता है। जय श्री राम!

कला, अभिव्यक्ति और बदलाव का माध्यम-थिएटर

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस (वर्ल्ड थिएटर डे) मनाया जाता है। वास्तव में,इसकी शुरुआत वर्ष 1961 में इंटरनेशनल थिएटर इंस्टीट्यूट (आइटीआइ) द्वारा की गई थी, जो यूनेस्को से जुड़ा एक प्रमुख सांस्कृतिक संगठन है।पाठक जानते होंगे कि रंगमंच(थिएटर)को समाज का दर्पण कहा जाता है, क्योंकि यह केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि यह विचार, संवेदना और सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम है।सच तो यह है कि थिएटर लोगों को सोचने, महसूस करने और बदलाव की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। यह विभिन्न देशों की संस्कृतियों, वहां के लोगों के विचारों और उनके संघर्षों को समझने में सहायता करता है तथा वैश्विक तनाव, युद्ध और सामाजिक विभाजन के दौर में मानवता को जोड़ने वाली कला के रूप में कार्य करता है। साथ ही, यह शिक्षा, साक्षरता, संवाद, सहिष्णुता और शांति को बढ़ावा देता है।सरल शब्दों में कहें तो रंगमंच वह मंच है, जहाँ अभिनय, संवाद, संगीत, नृत्य और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से किसी कथा या विचार को जीवंत रूप दिया जाता है। अर्थात यह साहित्य, कला और समाज का अनूठा संगम है। रंगमंच के महत्व के बारे में समझाते हुए अंग्रेजी भाषा के महान नाटककार विलियम शेक्सपियर ने प्रसिद्ध नाटक ऐज यू लाइक इट में यह बात कही थी कि-सारी दुनिया एक रंगमंच है, और सभी स्त्री-पुरुष केवल पात्र हैं। वास्तव में, इस विचार के माध्यम से शेक्सपियर बताते हैं कि पूरा संसार एक रंगमंच के समान है, जहाँ हर व्यक्ति एक अभिनेता की तरह अपनी-अपनी भूमिकाएँ निभाता है। जीवन के अलग-अलग चरण-बचपन, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और बुढ़ापा-मानो किसी नाटक के विभिन्न दृश्य हैं, जिनमें इंसान समय के अनुसार अपने किरदार बदलता रहता है। इस प्रकार रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मानव जीवन और समाज का सजीव प्रतिबिंब भी है। भारतीय रंगमंच के इतिहास की यदि हम यहां पर बात करें तो भारतीय रंगमंच का इतिहास अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और बहुआयामी है, जिसकी जड़ें वैदिक काल तक जाती हैं। उस समय यज्ञ, मंत्र, सामगान और धार्मिक अनुष्ठानों में संवाद, अभिनय, संगीत और नृत्य के प्रारंभिक रूप दिखाई देते हैं। इस परंपरा को व्यवस्थित स्वरूप देने का श्रेय भरतमुनि को जाता है, जिन्होंने नाट्य शास्त्र की रचना की। पाठकों को बताता चलूं कि यह ग्रंथ अभिनय (आंगिक, वाचिक, आहार्य, सात्त्विक), रंगमंच संरचना, संगीत, नृत्य और रस सिद्धांत का विस्तृत विवेचन करता है।इसके बाद संस्कृत नाटकों का स्वर्णकाल आया, जिसमें कालिदास, भास और शूद्रक जैसे नाटककारों ने अभिज्ञानशाकुंतलम्, स्वप्नवासवदत्तम् और मृच्छकटिकम् जैसे महान नाटकों की रचना की। वास्तव में, इन रचनाओं में प्रेम, प्रकृति, नीति और मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण मिलता है।मध्यकाल में रंगमंच(थिएटर) लोकजीवन से जुड़ गया और रामलीला, रासलीला, नौटंकी, यक्षगान और जत्रा जैसे लोकनाट्य विकसित हुए। इसी समय कथकली, कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम जैसी नृत्य-नाट्य परंपराएँ भी विकसित हुईं, जिनमें वेशभूषा, मुखाभिनय और मुद्राओं के माध्यम से कथा प्रस्तुत की जाती है।आधुनिक काल में, विशेषकर ब्रिटिश शासन के दौरान, पाश्चात्य रंगशैली का प्रभाव पड़ा। इस दौर में यथार्थवाद, सामाजिक आलोचना और प्रयोगधर्मिता बढ़ी। उल्लेखनीय है कि हबीब तनवीर, विजय तेंदुलकर और गिरीश कर्नाड जैसे रंगकर्मियों ने सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रकार भारतीय रंगमंच ने वैदिक परंपरा से लेकर आधुनिक प्रयोगधर्मी रूप तक लंबी यात्रा तय की है।

इस दिवस का मुख्य उद्देश्य रंगमंच और कलाकारों के महत्व को समझाना और बढ़ावा देना है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य क्रमशः रंगमंच कला के प्रति जागरूकता फैलाना, विभिन्न कलाकारों, लेखकों और तकनीकी कर्मियों के योगदान को सम्मान देना, सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों पर संवाद स्थापित करना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2025 की थीम-थिएटर और शांति की संस्कृति रखी गई थी।इसका अर्थ है कि थिएटर के माध्यम से शांति, सह-अस्तित्व और संवाद को बढ़ावा देना। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसका मुख्य फोकस वैश्विक सहभागिता और सांस्कृतिक संवाद पर रहा है। यहां यह भी गौरतलब है कि वर्ष 2026 में विश्व रंगमंच दिवस का 64वाँ आयोजन 25-27 मार्च के बीच लक्जमबर्ग शहर में किया गया। यह आयोजन आइटीआइ के जनरल सेक्रेटेरिएट और लक्ज़मबर्ग सेंटर के सहयोग से थिएटर फेडरेशन के साथ आयोजित किया गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम मंच(प्रदर्शन)कला दिवस के अंतर्गत हुआ और थिएटर फेडरेशन की 30वीं वर्षगांठ भी इसी दौरान मनाई गई। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष का आधिकारिक संदेश प्रसिद्ध अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफ़ो द्वारा लिखा गया, जिन्हें चार बार अकादमी अवार्ड्स के लिए नामांकन मिला है तथा वर्ष 2018 में वेनिस फ़िल्म महोत्सव में कोप्पा वोल्पी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पाठकों को बताता चलूं कि आइटीआइ की स्थापना 1948 में हुई थी और इसका मुख्यालय पेरिस में स्थित है। इसके विश्वभर में 85 से अधिक केंद्र हैं। विश्व रंगमंच दिवस पर हर वर्ष एक प्रतिष्ठित कलाकार द्वारा संदेश दिया जाता है तथा वर्ष 1962 में पहला संदेश जीन कोक्टो ने दिया था। वर्ष 2002 में भारत के गिरीश कर्नाड को यह सम्मान मिला,जो महान नाटककार रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह संदेश 50 से अधिक भाषाओं में अनुवादित किया जाता है।कहा जाता है कि महान् कवि/लेखक कालिदास ने 'मेघदूत' की रचना भारत की पहली नाट्यशाला में की थी, जो छत्तीसगढ़ के रामगढ़ पहाड़ (अंबिकापुर क्षेत्र) में स्थित मानी जाती है। हमारे पुराणों में भी यम, यमी और उर्वशी जैसे पात्रों के संवादों में नाट्य तत्वों के प्रारंभिक संकेत मिलते हैं।भारतीय रंगमंच में नृत्य और नाटक का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है।

आज रंगमंच का प्रभाव फिल्मों, वेब-सीरीज और डिजिटल माध्यमों में भी देखा जा सकता है। थिएटर ने कई सच्ची घटनाओं और सामाजिक मुद्दों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। भारत में फिल्मों का व्यापक प्रभाव है। पाठक जानते होंगे कि साल 1957 में मदर इंडिया, 1988 में सलाम बॉम्बे तथा 2001 में लगान जैसी फिल्मों को प्रतिष्ठित ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया था।हालाँकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव ने पारंपरिक सिनेमा और थिएटर को चुनौती भी दी है, फिर भी रंगमंच अपनी जीवंतता और प्रत्यक्ष संवाद के कारण आज भी विशिष्ट स्थान रखता है। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि विश्व रंगमंच दिवस यह संदेश देता है कि रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण, संस्कृति का संवाहक और विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

सफलता का बड़ा सिद्धांत: आत्मनिर्भर बनो

सभी जानते हैं कि हाथी सिंह की अपेक्षा अधिक बलवान जीव है। उसका आकार बड़ा, भारी और बलवान है, परन्तु फिर भी एक अकेला सिंह हाथियों के झुंड को भगाने में समर्थ होता है। शेर की ताकत का रहस्य क्या है? केवल यह कि हाथी अपने शरीर पर भरोसा करता है, जबकि शेर अपनी शक्ति पर भरोसा करता है।

हाथी बनाम शेर- हाथी चालीस-पचास, सौ-सौ या कभी-कभी दो-दो सौ का झुण्ड बनाकर चलते हैं। जब कभी वे विश्राम करते हैं, तो हमेशा एक बलशाली हाथी को पहरेदार के रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें सदा यही डर लगा रहता है कि कहीं शेर उन पर आक्रमण न करे दे। उन्हें मारकर न खा जाए। यदि हाथी को अपनी ताकत पर भरोसा हो, तो वह हजारों शेरों को मार-कुचल सकता है, परन्तु बेचारे हाथी को अपनी अंतरात्मा पर विश्वास नहीं होता, इसलिए उसमें सदा साहस का अभाव बना रहता है। वेदान्त शिक्षा देता है कि स्वयं को नीच, अधम, दुःखी पापी या अभागा नहीं कहना चाहिये। वेदान्त की इच्छा है कि आप अपनी आंतरिक शक्ति पर पूर्ण विश्वास करें। स्वामी रामतीर्थजी कहते हैं:-यदि मुझसे कोई एक शब्द में मेरा तत्त्वज्ञान पूछे, तो मैं कहूंगा कि आत्मनिर्भरता या आत्मबोध। यह सत्य है। सर्वथा सत्य है कि जब आप स्वयं अपनी सहायता करते हैं, तभी परमात्मा भी आपकी सहायता करता है। दैव आपकी सहायता करने के लिये बाध्य हैं, लेकिन केवल तभी जब आप स्वयं पर निर्भर रहें। आप तभी सब कुछ पा सकते हैं। आपके सम्मुख कुछ भी असंभव नहीं है। एक बार दो भाई मुकदमेबाजी में फंसे न्यायाधीश के सम्मुख आए। उनमें से एक बहुत धनवान था, जबकि दूसरा कंगाल। न्यायाधीश ने धनवान भाई से प्रश्न किया, जब तुम इतने धनी हो, तो तुम्हारा भाई निर्धन कैसे हो गया? धनवान व्यक्ति ने उत्तर दिया-पांच वर्ष पहले हमें एक समान पैतृक संपत्ति प्राप्त हुई थी। दो लाख रुपये मेरे हिस्से में आये थे तथा इतने ही मेरे भाई को मिले थे। इसके बाद मेरा भाई स्वयं को धनवान मानकर सुस्त हो गया। उसने सभी कार्य अपने नौकरों को सुपुर्द कर दिया। उसे जब भी कोई काम होता, तो वह अपने नौकरों को बुलाकर कहता-जाओ, यह काम करो, जाओ, वह काम करो।

धर्म कर्म

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1668- इंग्लैंड के शासक चार्ल्स द्वितीय ने बॉम्बे (अब मुम्बई) को ईस्ट इंडिया कंपनी के हवाले किया।
1855 - अब्राहम गेस्नर ने केरोसिन (मिट्टी के तेल) का पेटेंट लिया।
1977 - स्पेन के कनेरी द्वीपों के मशहूर पर्यटन स्थल टेनेरीफ में दो जंबो जेट हवाई पट्टी पर ही टकरा गए, जिससे 583 लोगों की मौत हो गई।
2000 - रूस में 52.52 प्रतिशत मत प्राप्त कर रूस के कार्यवाहक राष्ट्रपति व्लादिमीर व्लादिमीरोविच पुतिन ने राष्ट्रपति चुनाव जीता।
2003 - रूस ने घातक टोपोल आर एस-12 एम बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया।
2008 - अंतरिक्ष यान एंडेवर पृथ्वी पर सफलतापूर्वक सुरक्षित लौटा।
2010 - भारत ने ओडिशा के चांदीपुर में परमाणु प्रौद्योगिकी से लैस प्रक्षेपास्त्र धनुष और पृथ्वी 2 का सफल परीक्षण किया।

जन्म

1912 - विमल प्रसाद चालिहा - स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ और असम के मुख्यमंत्री रहे थे।
1915 - पुष्पलता दास - एक सामाजिक कार्यकर्ता, उत्साही गांधीवादी और स्वतंत्रता सेनानी थीं।
1923 - धर्मपाल गुलाटी - भारत की दिग्गज मसाला कम्पनी 'एमडीएच' के मालिक थे।
1923 - लीला दुबे - एक प्रसिद्ध मानव विज्ञानी और नारीवादी विद्वान।
1936 - बनवारी लाल जोशी - भारतीय राजनीतिज्ञ हैं, जो दिल्ली के उपराज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश, मेघालय और उत्तराखंड के राज्यपाल रह चुके हैं।

निधन

1915 - पंडित कांशीराम - गदर पार्टी के प्रमुख नेता और देश की स्वाधीनता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये थे।
1968 - यूरी गागरीन - भूतपूर्व सोवियत संघ के विमान चालक और अंतरिक्षयात्री।
2000 - प्रिया राजवंश - भारतीय हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री।
2006 - भाई मोहन सिंह - भारत के प्रख्यात उद्योगपति, जो दिग्गज दवा कम्पनी 'रैनबैक्सी' के संस्थापक थे।

आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ बना है पाकिस्तान

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्व भर में पाकिस्तान सबसे बड़ा आतंकवाद का गढ़ बन गया है। पाकिस्तान की खुद की कमर आज उस आतंकवाद ने तोड़ दी है जिसे कभी शह देकर उसने ही पाला पोसा था। इस बात की पुष्टि ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स कर रहा है, जिसमें पहली बार पाकिस्तान शीर्ष स्थान पर पहुंचा है। साल 2025 में आतंकवाद से जुड़ी मौतों के मामले में 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) द्वारा जारी ग्लोबल टैररिज्म इंडैक्स 2026 के अनुसार, पिछले साल पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में 1,139 मौतें दर्ज की गईं, जो वहां की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दिखाती हैं। ग्लोबल टैररिज्म इंडैक्स 2026 में 163 देशों में आतंकवाद के असर का आकलन किया गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान का अपने पड़ोसी देशों, खासकर अफगानिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंध हैं। इसके अलावा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की तरफ से बढ़ती हिंसा ने पाकिस्तान के लिए सुरक्षा जोखिमों को बढ़ा दिया है। पाकिस्तान में आतंकी हमलों में मौत की संख्या भी चौंकाने वाली है। रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद से होने वाली मौतें अब 2013 के बाद से अपने सबसे ऊंचे स्तर पर हैं। 2025 में देश में आतंकवाद से 1,139 मौतें और 1,045 घटनाएं दर्ज की गई थी। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया है। कहा गया है कि टीटीपी ने पाकिस्तान के भीतर सबसे खतरनाक आतंकी समूह के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। यह वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे खतरनाक आतंकी समूह है। आईईपी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2009 के बाद से पाकिस्तान में कुल हमलों में टीटीपी के हमलों का हिस्सा 67 प्रतिशत से ज्यादा रहा है, और पाकिस्तान में होने वाले हमलों के लिए यह दूसरे सबसे सक्रिय समूह, बीएलए के मुकाबले पांच गुना ज्यादा जिम्मेदार है। खास बात यह है कि दुनिया के 4 सबसे खतरनाक समूहों में टीटीपी ही एकमात्र ऐसा संगठन था जिसकी गतिविधियों में पिछले साल बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में टीटीपी की मारक क्षमता में भारी बढ़ोतरी हुई। आतंकवादी घटनाओं की संख्या 24 प्रतिशत बढ़कर 595 हमलों तक पहुंच गई। ये हमले मुख्य रूप से अफगानिस्तान की सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा इलाके में हुए, जिनमें 637 लोगों की मौत हुई-यह आंकड़ा 2011 के बाद से सबसे ज्यादा है।

रिपोर्ट बताती है कि 6000 से 6500 टीटीपी लड़ाके अफगानिस्तान के अंदर से काम कर रहे हैं और वहीं से पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं। करीब 85% हमले अफगान सीमा के 10 से 50 किलोमीटर के दायरे में होते हैं।

पाकिस्तान के कबायली इलाकों को लंबे समय तक ऐसे समूहों का सुरक्षित ठिकाना माना जाता रहा है। यहां से तालिबान, हक्कानी नेटवर्क, अल-कायदा और बाद में टीटीपी जैसे संगठन मजबूत हुए। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद टीटीपी को और सुरक्षित ठिकाना मिल गया। पाकिस्तान ने अफगान सरकार से कार्रवाई की मांग की, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।एक नकारात्मक सोच रखने वाला और कट्टरपंथी राह पर चलने वाला पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन व संरक्षण देने वाला पाकिस्तान आज खुद आतंकवाद का शिकार है।

एक रिपोर्ट के अनुसार हालांकि, कुल हमलों की संख्या में थोड़ी कमी आई, लेकिन 2025 लगातार छठा साल रहा जब आतंकवाद से मौतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके अलावा, देश में बंधक बनाने की घटनाओं में भी भारी उछाल देखा गया। 2024 में 101 के मुकाबले 2025 में 655 लोग बंधक बनाए गए। यह वृद्धि मुख्य रूप से जाफर एक्सप्रेस हमले के कारण हुई, जिसमें 442 लोगों को बंधक बनाया गया था।

बता दें कि आतंरिक सुरक्षा की स्थिति खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सबसे ज्यादा खराब है, जहां 2025 में कुल आतंकी हमलों का 74 प्रतिशत और मौतों का 67 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया। वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान अब बुर्किना फ़ासो, नाइजीरिया, नाइजर और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के साथ उन पांच देशों में शामिल है, जहां दुनियाभर की लगभग 70 फीसदी आतंकी मौतें होती हैं। यह ताजा रैंकिंग 2025 में दूसरे स्थान पर रहने के बाद आई है, जो पाकिस्तान में लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति की पुष्टि करती है।

2021 में जब काबुल में तालिबान ने सत्ता संभाली तो पाकिस्तान की एस्टेब्लिशमेंट मिठाइयां बांट रही थी. उन्हें लगा था कि उनका स्ट्रैटेजिक डेप्थ का सपना पूरा हो गया. लेकिन पासा पूरी तरह पलट गया. अफगानिस्तान में आतंकी घटनाओं और मौतों में 95% की भारी गिरावट आई. आज वहां की सड़कों पर होने वाले धमाके कम हुए हैं और तालिबान ने ऐसे समूहों पर नकेल कसी है।

आपको बता दें जनरल आसिम मुनीर के कार्यकाल में पाकिस्तान आतंकवाद का नया एक्सपोर्ट-इंपोर्ट हब बन चुका है. पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी जिस तालिबान को अपना एसेट मानती थी, उसी से जुड़ा टीटीपी अब खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में पाकिस्तानी फौज का शिकार कर रही है. मुनीर साहब राजनीति और इमरान खान को दबाने में इतने व्यस्त रहे कि सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता उनके हाथ से निकल गई.

सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक दृष्टि से अस्थिर पाकिस्तान आज भी उत्पन्न हुई स्थिति पर आत्मचिंतन करने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान जब से अस्तित्व में आया तभी से भारत विरुद्ध नीति उसकी राजनीति का केंद्र बिन्दु रही है पाकिस्तान की नकारात्मक नीतियों का ही परिणाम है कि पहले बांग्लादेश अस्तित्व में आया और आज बलूचिस्तान अलग होने के लिए संघर्ष कर रहा है। भारत विरुद्ध आतंकियों का इस्तेमाल करने वाला पाकिस्तान आज आतंकवाद केंद्र भी है और आतंकवाद पीड़ित भी है। पाकिस्तान अगर सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्थिरता चाहता है तो उसे आतंकियों को समर्थन व संरक्षण देना बंद करना होगा और सकारात्मक सोच अपनाकर अपने भविष्य को संवारने के लिए कार्य करना होगा।

पाकिस्तान के आंतरिक राजनीतिक हालात जगजाहिर हैं, शरीफ सरकार एक कठपुतली सरकार से अधिक कुछ नहीं।सेना प्रमुख मुनीर के हाथों में पाकिस्तान की बागडोर सिमट रही है अमेरिका मुनीर को तवज्जो देकर अपने हित साधने की जुगत कर रहा है। मुनीर जिहादियों का इस्तेमाल भारत विरुद्ध तो कर ही रहे हैं। पाकिस्तान के भीतर आतंकियों को आज भी पाकिस्तानी सेना के प्रमुख मुनीर समर्थन दे रहे हैं। इसी कारण पाकिस्तान में आतंकवाद भी और उस कारण जान माल का नुकसान भी बढ़ रहा है। विश्व में आतंकवाद के कारण होने वाली सबसे अधिक मौतों के कारण शीर्ष पर पाकिस्तान के होने का मुख्य कारण लोकतांत्रिक व्यवस्था के इतर पाकिस्तानी में लगातार सेना प्रमुख का हस्तक्षेप बना रहना है।पाकिस्तान की बुनियाद ही घृणा विद्वेष और सांप्रदायिक कट्टरता की जमीन पर रखी गई है यही उसके लिए भारी पड़ रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

चालकों को प्रशिक्षण देने को खुलेंगे स्कूल

पांच साल में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद: गडकरी

नई दिल्ली। सरकार उद्योग जगत के सहयोग से अगले पांच साल में 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए स्कूल खोलेगी। इस पहल से देश में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता आमिर खान से बातचीत के दौरान कहा कि देश में 22 लाख चालकों की कमी है और सरकार ने 200 ड्राइविंग स्कूल खोले हैं। मंत्री ने कहा कि हमने उद्योग जगत की मदद से 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इस पहल के माध्यम से हम एक करोड़ युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगे।

सड़क सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से यह सच है कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या के मामले में भारत विश्व में शीर्ष पर है। देश में आज प्रति वर्ष पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं और उससे संबंधित 1.8 लाख लोगों की मौत होती है।

गडकरी ने कहा कि लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के हैं। इन दुर्घटनाओं के कारण भारत को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन प्रतिशत का नुकसान होता है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के पांच मुख्य कारणों का जिक्र किया। गडकरी ने कहा कि पहला कारण सड़क डिजाइन और इंजीनियरिंग हैं। हमने कुछ खराब जगहों की पहचान की है और उन्हें ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। दुर्घटनाओं का दूसरा कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन है। हमने ऐसी 350 जगहों की पहचान की है और लगभग 280 जगहों में सुधार किया गया है। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाओं का एक अन्य कारण वाहन इंजीनियरिंग है। मंत्री ने कहा कि हमारा वाहन उद्योग 23 लाख करोड़ रुपये के कारोबार के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है। अमेरिका 79 लाख करोड़ रुपये और चीन 49 लाख करोड़ रुपये के कारोबार के साथ क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। हमारा लक्ष्य अगले पांच साल में अपने वाहन उद्योग को विश्व में शीर्ष पर पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं का तीसरा कारण कानून का पालन न होना है। चौथा कारण मानवीय व्यवहार है। गडकरी ने कहा कि देश में कानून का भय और सम्मान नहीं है। बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने मात्र से लगभग 50,000 लोगों की जान बचाई जा सकती है। सीट बेल्ट लगाने मात्र से लगभग 30,000 लोग अपनी जान बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाने के मामलों में कमी आई है। आमिर खान ने कहा कि मैं सड़क सुरक्षा को बहुत गंभीरता से लेता हूं। एक इंसान होने के नाते मुझसे भी कभी-कभार गलतियां हो जाती हैं। लेकिन कुल मिलाकर मैं सड़क सुरक्षा को लेकर बहुत सख्त हूं। मुझे उम्मीद है कि पूरा देश सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार कानून, नियम बना सकती है या सुविधाएं प्रदान कर सकती है, लेकिन अंततः यदि लोग इनका उपयोग नहीं करेंगे तो समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि लोग पुलिस के डर से ही हेलमेट पहनते हैं। हमें यह समझना चाहिए कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी हो या नहीं हो, हेलमेट पहनना हमारी जान बचाएगा। खान ने सुझाव दिया कि बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूल बसों में यात्रियों के लिए सीट बेल्ट अनिवार्य की जानी चाहिए।

देश के पास तेल और गैस का पर्याप्त भंडार अफवाहों पर न करें भरोसा : सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश के पास करीब 60 दिनों का पर्याप्त ईंधन भंडार है। पेट्रोल, डीजल या घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कोई कमी नहीं है। सरकार ने ईंधन की कमी की खबरों को अफवाह बताकर लोगों से भरोसा न करने को कहा है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह से सुरक्षित और नियंत्रण में है। सभी खुदरा ईंधन आउटलेट्स पर पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है। देश में कहीं भी पेट्रोल-डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे जान-बूझकर चलाए जा रहे एक शरारतपूर्ण और सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान से गुमराह न हों, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट फैलाना है। मंत्रालय ने कहा कि देशभर में 1 लाख से ज्यादा रिटेल ईंधन आउटलेट खुले हैं और बिना किसी रुकावट के ईंधन दे रहे हैं।

किसी भी आउटलेट से सप्लाई को सीमित करने के लिए नहीं कहा गया है। सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त स्टॉक है। वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों के परिशोधन के मामले में दुनिया में चौथे और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक भारत, घरेलू ईंधन की उपलब्धता को संरचनात्मक रूप से सुनिश्चित करता है। साथ ही 150 से ज्यादा देशों को परिष्कृत ईंधन की आपूर्ति करता है। मंत्रालय ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के 27वें दिन भी हमारे पास अभी करीब 60 दिन का वास्तविक ईंधन भंडार है, जिसमें कच्चे तेल का भंडार, उत्पाद भंडार और रणनीतिक भंडारण शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि दो माह की कच्चे तेल की खरीद पहले ही सुनिश्चित होने की वजह से अगले कुछ माह तक भारत के लिए समस्या नहीं है, इसलिए देश में भंडार के समाप्त या अपर्याप्त होने के किसी भी दावे को पूरी तरह से खारिज कर देना चाहिए।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव के बावजूद कच्चे तेल की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। भारतीय रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से अधिक पर काम कर रही हैं और अगले 60 दिन के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। घरेलू उत्पादन में वृद्धि और आयात आवश्यकताओं में कमी के कारण एलपीजी की आपूर्ति भी पर्याप्त है। कई देशों से अतिरिक्त कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं, जिससे निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

जयपुर में ईवी चार्जिंग स्टेशन योजना ठप, पांच साल बाद भी नहीं उतरी धरातल पर

जयपुर। केंद्र सरकार जहां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, वहीं जयपुर में इस दिशा में ठोस प्रगति नहीं दिख रही है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा वर्ष 2020 में प्रस्तावित 75 ईवी चार्जिंग स्टेशन की योजना पांच साल बाद भी अमल में नहीं आ सकी है और फिलहाल कोई नई योजना भी सामने नहीं है।

हालांकि, शहर में जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (जेसीटीएसएल) ने प्रयोग के तौर पर ईवी बसों का संचालन शुरू किया है। इसी को ध्यान में रखते हुए जेसीटीएसएल और जेडीए के संयुक्त प्रयास से चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की चर्चा शुरू हुई है। हाल ही में ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड (टीसीबी) की बैठक में रामनिवास बाग, दांतली ओवरब्रिज और महात्मा गांधी अस्पताल ओवरब्रिज के नीचे चार्जिंग स्टेशन विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। जेडीए के डायरेक्टर इंजीनियरिंग अजय गर्ग के अनुसार, फिलहाल चार्जिंग स्टेशन निर्माण की कोई ठोस योजना नहीं है। गौरतलब है कि 2020 में जेडीए ने शहर में 75 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना

बनाई थी। इसके तहत राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट लिमिटेड (आरईआईएल) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर जमीन उपलब्ध करवाई जानी थी। टेंडर प्रक्रिया तक पूरी होने के बावजूद अधिकारियों के तबादलों के बाद योजना ठंडे बस्ते में चली गई। योजना के अनुसार, प्रत्येक स्टेशन 6 से 8 वाहनों को एक साथ चार्ज करने में सक्षम होना था और इसके लिए 100 से 800 वर्गफीट तक जमीन की आवश्यकता थी। शहर में फास्ट और स्लो दो प्रकार के चार्जिंग स्टेशन प्रस्तावित थे। वर्तमान में जयपुर में 5000 से अधिक इलेक्ट्रिक कारें और 15 हजार से ज्यादा दुपहिया वाहन हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चार्जिंग सुविधाओं के अभाव में लोग ईवी अपनाने से हिचक रहे हैं।

लिथियम, कोबाल्ट सहित महत्वपूर्ण खनिजों की खोज तेज करने में जुटी सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार लिथियम, कोबाल्ट सहित महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को तेज करने, आयात पर निर्भरता कम करने और मजबूत घरेलू वैल्यू चेन विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। सिंह ने गुरुवार को जीपीओए कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण एवं विकास ट्रस्ट' (एनएमईटी) की शासी निकाय की बैठक को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में अन्वेषण को गति देने, घरेलू क्षमता को मजबूत करने और भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रमुख प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अन्वेषण की गति, विशेष रूप से लिथियम और कोबाल्ट, निकेल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के लिए, उभरती वैश्विक मांग और भारत की रणनीतिक आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने राजस्थान के सिवाना क्षेत्र और जम्मू-कश्मीर के सलाल-हैमना ब्लॉक जैसे क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का उल्लेख किया और अधिक संभावित क्षेत्रों में स्वदेशी अन्वेषण प्रयासों का विस्तार करने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि देश में भारतीय कंपनियों और स्टार्टअप्स को खनन और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अनुकूल वातावरण बनाना चाहिए। इस क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास के लिए निजी अन्वेषण एजेंसियों की क्षमता निर्माण आवश्यक है। उन्होंने अधिसूचित निजी अन्वेषण एजेंसियों (एनपीईए) की भूमिका को मजबूत करने और परियोजनाओं की त्वरित स्वीकृति सुनिश्चित करने का आह्वान किया ताकि निजी भागीदारी सार्थक रूप से बढ़ सके।

रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक, 12 घंटे में बनेंगी पुलिया : वैष्णव

नई दिल्ली। देशभर में रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे अब मिशन मोड में काम करेगा। इस दिशा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में अधिकारियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित कर व्यापक निर्देश जारी किए।

रेल मंत्री ने कहा कि जहां रेलवे ट्रैक के एक ओर बस्ती और दूसरी ओर खेत, स्कूल, श्मशान या अन्य आवश्यक स्थान हैं, वहां लोगों की सुविधा के लिए विशेष प्रकार की रेल पुलियाएं (सबवे) बनाई जाएंगी। इन पुलियाओं का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है। वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिज़ाइन ऐसा हो जिससे लोग बिना हिचकिचाहट के उनका उपयोग कर सकें। इनका निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि लोग साइकिल, मोटरसाइकिल और अन्य आवश्यक सामान के साथ आसानी से आ-जा सकें। यह पहल देश की बड़ी

आबादी के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। रेलवे की योजना के अनुसार पुलियाओं का ढांचा पहले से तैयार किया जाएगा और बाद में साइट पर लाकर स्थापित किया जाएगा।

स्थापना के दौरान रेलवे ट्रैक पर 'ब्लॉक' लिया जाएगा, जिसके भीतर मात्र 12 घंटे में पटरी काटकर पुलिया फिट कर दी जाएगी और उसे उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा। रेल मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिज़ाइन ऐसा हो जिससे जलभराव जैसी समस्याएं प्रभावित न करें। साथ ही यह व्यवस्था लंबे समय तक प्रभावी बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगले 5-6 वर्षों में इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। यह निर्णय रेलवे अधिकारियों के साथ कई दिनों तक चली विचार-विमर्श प्रक्रिया का परिणाम है। रेल मंत्रालय का मानना है कि संवेदनशील और व्यावहारिक समाधान ही आम लोगों की समस्याओं का दीर्घकालिक हल दे सकते हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों में शुरू की गई है बायोमीट्रिक प्रणाली : केंद्रीय राज्य मंत्री

धर्मशाला। केंद्रीय महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने बताया कि केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय ने पोषण अभियान के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में अनाज वितरण के लिए फेसियल रिकग्निशन प्रणाली शुरू की है जिसके अन्तर्गत बायो मीट्रिक प्रणाली के माध्यम से चेहरे की पहचान करके ही लाभार्थी पात्रों को राशन वितरित किया जा रहा है। इस 'आधार आधारित' ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से फ़र्ज़ी और अपात्र लोगों को अनाज वितरण रोकने में मदद मिलती है और अनाज की लीकेज रोकने में मदद मिली है। उन्होंने यह जानकारी राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी को सदन में दी।

उन्होंने बताया कि 31 जुलाई 2025 तक कुल 5,10,24,888

लाभार्थियों में से 3,51,97,271 लाभार्थियों ने 'ई-केवाईसी' और फेस कैप्चर प्रक्रिया पूरी कर ली है जबकि फरवरी 2026 में कुल 4,77,88,108 लाभार्थियों में से 4,63,58,376 लाभार्थियों ने 'ई-केवाईसी' और फेस कैप्चर प्रक्रिया पूरी कर ली है। उन्होंने बताया कि नैशनल ई गवर्नेंस डिवीज़न द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्टेट कोऑर्डिनेटर्स के माध्यम से इस विषय पर निरन्तर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया की 'पोषण भी पढ़ाई भी' कार्यक्रम के अन्तर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 'सावित्रीबाई फुले नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ वीमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट' द्वारा राज्यों के राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जोकि सम्बन्धित राज्यों के आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 18 मार्च 2026 तक कुल 3901 राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि मिशन पोषण 2.0 के अन्तर्गत छह साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं,14 से 18 साल की किशोरियों को कवर किया गया है।

राजस्थान के जैसलमेर में एक बेकाबू वाहन ने तीन बहनों को टक्कर मारी, एक की मौत

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार वाहन ने तीन बहनों को टक्कर मार दी जिसमें एक मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस हादसे में घायल दो युवतियों एवं वाहन चालक का इलाज चल रहा है। उसने बताया कि यहां कोतवाली थानाक्षेत्र के गफूर भट्टा में बृहस्पतिवार दोपहर चालक तोगाराम वाहन लेकर शहर की ओर आ रहा था, तभी तेज रफ्तार के चलते एक 'स्पीड ब्रेकर' पर वाहन का संतुलन बिगड़ गया और उसने पैदल जा रही तीन बहनों को टक्कर मार दी। कोतवाली थाने के सहायक उपनिरीक्षक ओमाराम ने बताया कि इस हादसे में रवीना सपेरा (18) की मौत हुई है जबकि उसकी घायल बहनों--कल्पना और ममता सपेरा का इलाज चल रहा है। उपनिरीक्षक के अनुसार वाहन चालक तोगाराम खत्री (65) भी अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने बताया कि कालबेलिया समुदाय की ये युवतियां नृत्यांगना (डांसर) हैं एवं जान गंवाने वाली युवती भी नृत्यांगना थी।

कृषि मेला खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने किसानों की आय बढ़ाने का महायज्ञ : शिवराज

रायसेन। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्नत कृषि मेला और प्रशिक्षण कार्यक्रम खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने, किसानों की आय बढ़ाने का महायज्ञ है। इसमें सभी की भागीदारी जरूरी है। यह मेला यहां की कृषि को एक नई दिशा देने का प्रयास है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान पहुंचे थे। वे आगामी 11 से 13 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय वृहद उन्नत कृषि मेला प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के बाद अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ किया और कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर आयोजन की रूपरेखा अनुसार बैठक व्यवस्था, विभिन्न

सत्रों के लिए स्थल, स्टॉल और तकनीकों के सजीव प्रदर्शन आदि के बारे में मप्र शासन के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा केन्द्र और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ कृषि अधिकारियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की।

राहुल गांधी के सलाहकारों ने उनके दिमाग पर कब्जा कर लिया है: रीजीजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सदन में टी-शर्ट पहनकर आने पर सवाल उठाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता के दिमाग पर उनके 'एक्टिविस्ट' सलाहकारों ने कब्जा कर लिया है और वह संसद में वही बोलते हैं जो उनके सलाहकार उन्हें बोलने को कहते हैं।

रीजीजू ने कहा कि निजी तौर पर, मुझे राहुल गांधी से कोई दिक्कत नहीं है। हम मिलते हैं, (बैठक) कक्ष में और उसके बाहर एक-दूसरे से बात करते हैं, क्योंकि वह प्रतिपक्ष के नेता हैं। यह ठीक है। कोई दिक्कत नहीं। लेकिन जब आप औपचारिक रूप से सदन के पटल पर बोल रहे होते हैं, तो आपको परंपराओं, नियमों और शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। ये संसदीय लोकतंत्र के बहुत जरूरी हिस्से हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन

राहुल गांधी का दिमाग उनके 'एक्टिविस्ट' सलाहकारों ने 'हाईजैक' कर लिया है। वह वही बोलते हैं जो उनके सलाहकार बोलने को कहते हैं। रीजीजू ने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विपक्ष में थी, तो उसने कुछ मानकों का पालन किया और जोरदार विरोध प्रदर्शन किए, लेकिन उसने कभी अपनी सीमाएं पार नहीं कीं। राहुल गांधी के संसद में अक्सर कैजुअल कपड़ों में आने के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर, किसी को भी उचित तरीके से व्यवहार करना चाहिए और पहनावा भी इसी का एक हिस्सा है। मंत्री ने कहा कि उन्हें नियमों और शिष्टाचार को समझने में दिक्कत होती है। जब आप नेता प्रतिपक्ष होते हैं, तो आपको एक खास तरीके से व्यवहार करना होता है। शालीन पहनावा भी इसी का एक हिस्सा है।

रीजीजू ने कहा कि वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष बनने से पहले ढीली शर्ट और सैंडल पहनते थे। उन्होंने कहा कि लेकिन जब वह लोकसभा अध्यक्ष चुने गए, तो वह काफी शालीनता से कपड़े पहनकर आने लगे ताकि वह कुर्सी पर बैठे हुए अच्छे दिखें। इसी तरह, नेता प्रतिपक्ष पूरे विपक्ष के नेता होते हैं और इसलिए उन्हें इस तरह से कपड़े पहनने चाहिए जो उनके पद की गरिमा के अनुरूप हों। रीजीजू ने कहा कि हो सकता है कि मैं उस व्यक्ति का सम्मान न करूं, लेकिन मुझे उस पद का सम्मान करना ही होगा।

इसलिए बहुत से लोगों को लगता है कि वह (गांधी) और बेहतर तरीके से व्यवहार कर सकते हैं, जिसमें बेहतर पहनावे की समझ भी शामिल है। मैं टी-शर्ट पहनने पर कोई आपत्ति नहीं जता रहा हूं, लेकिन यह अच्छा नहीं लगता। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी की राजनीति विरोधाभासों से भरी लगती है; वह सरकार की हर उपलब्धि का विरोध करते हैं और उसकी हर सफलता पर सवाल उठाते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का निर्णायक नेतृत्व, गरीबों के लिए कार्य और भारत का बढ़ता वैश्विक कद अपने आप में सब कुछ बयां करते हैं। लोकतंत्र में आलोचना मायने रखती है, लेकिन विश्वसनीयता उससे भी ज्यादा मायने रखती है।'' पश्चिम एशिया संकट पर बुधवार को हुई सर्वदलीय बैठक के बारे में पूछे जाने पर रीजीजू ने कहा कि सार्वजनिक विमर्श में तीखे मतभेदों के बावजूद, बैठक में परिपक्वता देखने को मिली।

लिथियम, कोबाल्ट सहित महत्वपूर्ण खनिजों की खोज तेज करने में जुटी सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार लिथियम, कोबाल्ट सहित महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को तेज़ करने, आयात पर निर्भरता कम करने और मजबूत घरेलू वैल्यू चेन विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। सिंह ने गुरुवार को जीपीओए कॉम्प्लेक्स में आयोजित ‘राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण एवं विकास ट्रस्ट’ की शासी निकाय की बैठक को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में अन्वेषण को गति देने, घरेलू क्षमता को मजबूत करने और भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रमुख प्राथमिकताओं को रेखांकित किया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या 46265095 के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए कार्यरत सहायक सामग्री प्रबंधक द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण इस प्रकार है :-

1.	कार्य का नाम:	Set of Harting Jumper & Socket Intervehicle Coupler Spares for Medha 3 Phase AC EMU Rakes as per Part No attached in Annexure-A (11 Items).
2.	कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 23714937/-
3.	मात्रा	01 सेट
4.	निविदा की बोली प्रस्तुत (जमा) करने की तिथि एवं समय:	12-05-2026 (11:00 Hrs.)
5.	निविदा दस्तावेजों को खोलने की तिथि एवं समय	12-05-2026 (11:00 Hrs.)
6.	वेबसाइट की विवरण, जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in

टिप्पणी: (i) ई-निविदा प्रणाली में शामिल होने के लिए निविदादाता को भारतीय रेल ई-प्रापण प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। (iii) कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है।

एनआईटी सं. 46265095 दिनांक :- 26.03.2026 1032/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुख्यमंत्री योगी का जनता दर्शन, जनता की हर समस्या के समाधान के निर्देश

- जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने
- चिंता मत करिए, आपकी समस्या पर सुनिश्चित होगी प्रभावी कार्रवाई: मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का त्वरित समाधान कराएं। किसी भी समस्या से जुड़ी शिकायत को संवेदनशीलता से लेकर उसका संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार आपकी हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी करीब दो सौ लोगों से मिले। कुर्सियों पर बैठे फरियादियों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। उनके प्रार्थना पत्र लिए और पास में मौजूद अधिकारियों को समस्या समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। गरीबों की संपत्ति पर गरीबों का ही कब्जा सुनिश्चित होना चाहिए। जनता दर्शन में पारिवारिक विवाद के जुड़े मामले भी आए थे। इस पर मुख्यमंत्री ने दोनों पक्षों के बीच पहले संवाद कराने और बात न बनने पर यथोचित विधिक कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और उन्हें चॉकलेट के साथ आशीर्वाद भी दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका।

मुख्यमंत्री योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। गुरुवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में मुख्यमंत्री योगी ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा। उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

लाइन लगाने की जरूरत नहीं, घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को राज्य की जनता को आश्वासन देते हुए कहा कि रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है, निर्धारित समय पर बुकिंग कराएं, सिलेंडर आपके घर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं।

योगी आदित्यनाथ गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग अफवाहें फैला कर राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध के पहले अगर किसी के घर रसोई गैस का सिलेंडर एक महीने चलता था, तो वह आज पांचवें या छठे दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्धारित समय पर ही गैस सिलेंडर की बुकिंग कराएं, आपकी बारी आने पर रसोई गैस आपके घर तक पहुंच जाएगी। सरकार ने सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जैसे पहले गैस सिलेंडरों की घर पर डिलीवरी होती थी, वैसे ही अब भी होगी। इसके लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर हम उतावलेपन में आकर किसी अफवाह पर भरोसा करते हैं या दुष्प्रचार के चक्कर में पड़ते हैं तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे। हमको यह सतर्कता रखनी होगी। हमें अपने राष्ट्रीय नेतृत्व पर विश्वास रखकर धन्यवाद देना चाहिए कि भारत में सब कुछ अच्छा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ईरान और अमेरिका युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है लेकिन, यह युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा और इसके लिए सभी को मानसिक रूप से तैयार रहना होगा।

अधिकारी वाराणसी में झूलते तारों को दुरुस्त करायें, पर्यटकों को साफ सुथरा शहर दिखायें : एके शर्मा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने वाराणसी में सर्किट हाऊस में नगर निगम और ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को बैठकें कर आवश्यक निर्देश दिया।

मंत्री एके शर्मा ने वाराणसी शहर को पर्यटक दृष्टि से देखने के लिए कहते हुए कहा कि गर्मियों की शुरुआत हो रही है, इसके लिए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम अभी से शहर में झूलते तारों को दुरुस्त कराये और अंडरग्राउंड केबल सुरक्षित ट्रांसफार्मर पर काम करें। बाँस बल्ली के स्थान पर लगे नए पोल, जर्जर केबल को बदलने व अंडरग्राउंड किए जाने का कार्य, चल रहे अनुरक्षण कार्य एवं गर्मी में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए कार्य करें। मंत्री एके शर्मा ने नगर आयुक्त और महापौर की उपस्थिति में कहा कि पर्यटकों को साफ सुथरा शहर देने के लिए कूड़ा प्रबंधन कराएं, सड़क किनारे पड़े मलवे को तत्काल हटाएं, तिराहे चौराहे को विशेष रूप से सुंदर बनाकर रखें। घाटों पर विशेष रूप से स्वच्छता कार्य को कराया जाएं। शहर में गली मोहल्लों में नालियों और सीवर को साफ रखने के लिए जोन स्तर पर अधिकारियों को सड़क पर उतरना होगा। गौदोलिया, चौक, मैदागिन जैसी सड़कों के किनारे कूड़ा उठाने के कार्य में दिलाई नहीं होने दें।

बैठकों में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक शम्भु कुमार, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल सहित विद्युत विभाग और नगर निगम के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

हत्या के दो आरोपित घायल, तमंचा-कारतूस व चाकू बरामद

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में गुरुवार को पुलिस की संयुक्त टीम और हत्या के आरोपितों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस ने दो अभियुक्तों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, जिंदा कारतूस, खोखे, एक मोटरसाइकिल और हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव ने बताया कि जलालपुर थाना क्षेत्र के सिरकोनी गांव में बुधवार को एक सनसनीखेज वारदात में हत्या के आरोपी आशीष चौहान की एक दर्जन से अधिक लोगों ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद हमलावर शव को घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर बन्दीपुर गांव के पास सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए थे। संघईपुर गांव निवासी आशीष चौहान बन्दीपुर के पास शराब ठेके के समीप मौजूद था, तभी एक समूह ने उसे दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए वह सिरकोनी गांव की ओर भागा और कई घरों में छिपने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों के डर से किसी ने उसे शरण नहीं दी। अंततः गांव के एक मड़हे में उसे घेरकर हमलावरों ने ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने जांच तेज करते हुए सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चार आरोपियों– धनंजय चौहान, अविनाश चौहान, आदर्श चौहान सभी निवासी संघईपुर और भोले चौहान निवासी हीरापुर की पहचान की थी। बुधवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी भाऊपुर से त्रिलोचन की ओर जा रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने ग्राम ओईना के पास घेराबंदी की।

मिशन शक्ति फेज 5.0 : जौनपुर में 'रन फॉर एम्पावरमेंट' का आयोजन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मिशन शक्ति फेज 5.0' के द्वितीय चरण के अंतर्गत रन फॉर एम्पावरमेंट कार्यक्रम का गुरुवार को आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण तथा प्रतिसार निरीक्षक दीनदयाल दीक्षित के मार्गदर्शन में महिला पुलिस बल ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रभारी निरीक्षक अनीता सिंह (मिशन शक्ति) के नेतृत्व में महिला थाना प्रभारी श्यामा तिवारी व अन्य महिला पुलिसकर्मियों ने 10 से 15 वर्ष की बालिकाओं के साथ

जागरूकता दौड़ का आयोजन किया। यह रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर पॉलिटेक्निक चौराहे तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। रैली के दौरान महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता से जुड़े संदेश दिए गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं में आत्मविश्वास जगाना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में सुरक्षित वातावरण का संदेश देना रहा। साथ ही, संवाद के माध्यम से सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस आयोजन से जनपद में महिला सशक्तिकरण को लेकर सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ और समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

श्रीराम जन्मभूमि स्थित सूर्य मन्दिर में हुआ ध्वजारोहण

अयोध्या। नवरात्रि की अष्टमी पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर परिसर में स्थित सूर्य मन्दिर के शिखर पर विधि-विधान पूर्वक ध्वजारोहण किया गया। मन्दिर के प्रवेश द्वार से बाएं परकोटा के नैऋत्य कोण पर स्थित सूर्य मन्दिर के उन्नीस फिट सात इंच ऊंचे ध्वज दंड पर 9 फिट तीन इंच लंबाई (लहर) वाले ध्वज की चौड़ाई (लपेट) चार फिट सात इंच है। भगवा रंग की ध्वजा पर 'ऊं' अंकित किया गया है।

ध्वजारोहण समारोह में दशरथ महल महंत बिन्दुगद्याचार्य स्वामी देवेंद्र प्रसादाचार्य महाराज, रंग महल के महंत राम शरण दास महाराज, श्री राम वल्लभा कुंज अधिकारी संत राजकुमार दास, बावन जी मंदिर महंत वैदेही वल्लभ शरण महाराज,अशर्फी भवन के जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीधराचार्य महाराज, ट्रस्ट कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज, सीताकांत सदन के महंत रामानुजशरण ब्रह्मचारी महाराज, ट्रस्ट सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा, गोपाल नागरकट्टे, एसपी सुरक्षा श्रीराम जन्मभूमि बलरामाचारी दुबे, जगदीश आफ़ले, तीर्थ क्षेत्र भवन सह प्रभारी प्रद्युम्न सिंह सम्मिलित हुए।

70 लाख के बिल पर 'एक लाख का खेल', जेई रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मीरजापुर। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में मीरजापुर में एंटी करप्शन टीम ने छोटा सखौरा स्थित बाणसागर कॉलोनी में छापा मारकर सिंचाई विभाग के अवर अभियंता (जेई) को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया। आरोपी जेई मुसाफिर सिंह यादव, जो चंदौली जिले के सकलडीहा थाना क्षेत्र के नई बाजार का निवासी है, बाणसागर परियोजना खंड-पांच में तैनात था। उसने प्रयागराज के मेजा निवासी ठेकेदार दीपक कुमार से करीब 70 लाख रुपये का बिल पास कराने के एवज में एक लाख रुपये की मांग की थी। ठेकेदार ने 23 मार्च को एंटी करप्शन टीम से शिकायत की। इसके बाद टीम ने जाल बिछा कर गिरफ्तार किया गया।

एक अप्रैल से महंगा होगा टोल, हो जाएं तैयार

कानपुर देहात। अप्रैल माह की शुरुआत होते ही नकद लेन-देन खत्म करने और तीन हजार के सालाना पास की फीस में बढ़ोत्तरी के साथ टोल का नार्मल टैक्स भी एक अप्रैल से बढ़ जाएगा। कार, जीप और वैन की सिंगल जर्नी में पांच रुपये की और रिटर्न जर्नी में 10 रुपये की बढ़ोत्तरी की जाएगी। वहीं मंथली पास में भी 10 रुपये की बढोत्तरी हो जाएगी।

कानपुर देहात जनपद के बारा टोल प्लाजा की बात करें तो नया वित्तीय वर्ष कई बदलाव लेकर आ रहा है। एक अप्रैल से कानपुर देहात व उसके आस पास का सबसे महंगा टोल प्लाजा और महंगा होने जा रहा है। अप्रैल की शुरुआत में टोल टैक्स का नकद लेन देन बिल्कुल बंद हो जाएगा। पूरी व्यवस्था ऑन लाइन की जा रही है। कलेक्शन बूथों को यूपीआई पेमेंट सुविधा से जोड़ दिया गया । बारा टोल प्लाजा की बढ़ती दर कुछ इस तरह होंगी जिसमे बढोत्तरी करते हुए जाने की राशि 190 और रिटर्न जर्नी 285 रुपए की हो जाएगी। अभी यह दर क्रमशः 185 और 275 रूपए है। 20 किलोमीटर रेडियस का मंथली पास भी एक अप्रैल से दस रूपए महंगा हो जाएगा। अभी 350 देने पड़ रहे। 31 मार्च की रात 12 बजते ही इसके लिए 360 रुपए चुकाने होंगे।

यदि आपके वाहन पर फास्टैग नहीं है, या फास्टैग है पर एक्टिव नहीं है तो नकद टैक्स अदा नहीं कर सकेंगे। मोबाइल फोन पर इंस्टाल ऑन लाइन ट्रांजेक्शन एप्लीकेशन से ही टैक्स चुका पाएंगे। इसके लिए टोल ने खास तरह का साफ्ट वेयर बनाया है। बूथ की स्क्रीन पर क्यूआर दिखेगा। इसे स्कैन कर निर्धारित टोल टैक्स और सवा गुनी पेनाल्टी अदा की जा सकेगी। दूसरी तरफ, एक अप्रैल से ही दो सौ फेरों वाले सालाना पास की फीस भी तीन हजार से बढ़कर 3075 रुपये होने जा रही। इसके अलावा, इस साल 31 मार्च की रात 12 बजे के बाद से टोल की दरों में भी बदलाव हो रहा है। टोल दरों में बहुत अधिक बढ़ोत्तरी नहीं की गई है फिर भी चाय और स्नैक्स जितने पैसे तो अतिरिक्त चुकाने ही होंगे। लाइट कमर्शियल वेहिकिल्स के लिए अब तक एक फेरे का 290 रुपये टैक्स पड़ रहा था। एक अप्रैल से यह 295 रुपये हो जाएगा।

रिटर्न जर्नी के लिए 435 की जगह 445 रुपये चुकाने होंगे। सिंगल और रिटर्न जर्नी के लिए बस और ट्रक का टोल एक अप्रैल से क्रमशः 605 और 910 रुपये हो जाएगा। इसमें 15 और 25 रुपए की वृद्धि की जा रही है। ओवर साइज वाहनों की सिंगल जर्नी 1180 और रिटर्न जर्नी 1770 रूपए में हो सकेगी। इस श्रेणी के वाहनों का मंथली पास पहले 38365 रुपए का था। अब 39345 का होगा। टोल प्रबंधक मनोज शर्मा ने बताया कि नई दरें एक अप्रैल से लागू हो जाएंगी।

आठवें दिन अन्नपूर्णा और मंगला गौरी के दरबार में श्रद्धालुओं ने आशीष मांगा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में वासंतिक चैत्र नवरात्र का आठवां दिन गौरी स्वरूप मां मंगलागौरी और महागौरी मां अन्नपूर्णा को समर्पित है। आदिशक्ति की आराधना में लीन श्रद्धालुओं ने नवरात्र के आठवें दिन गुरुवार को नवगौरी के दर्शन में मंगला गौरी और नवदुर्गा के दर्शन के क्रम में महागौरी मां अन्नपूर्णा के दरबार में पूरे श्रद्धा के साथ हाजिरी लगाई। सुहागिन महिलाओं ने देवी को नारियल और अड़हुल की माला के साथ सुहाग की सामग्री समर्पित कर अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा।

महाअष्टमी पर महागौरी मां अन्नपूर्णा के दरबार में आधी रात के बाद से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। श्री काशी विश्वनाथ धाम पसिर के निकट स्थित माता अन्नपूर्णा के मंदिर में पीठाधीश्वर महंत शंकरपुरी महाराज ने भोर में देवी के विग्रह को पंचामृत स्नान कराया। विग्रह को नूतन वस्त्र, आभूषण एवं अलंकार के साथ अड़हुल के 108 फूलों वाली माला अर्पित कर श्रृंगार, भोग आरती वैदिक मंत्रोच्चार के बीच की। इसके बाद मंदिर के पट भक्तों के लिए खोल दिए गए। भोर से ही दर्शनार्थियों की कतार दर्शन के लिए लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने दरबार में 11 से 108 बार तक परिक्रमा (फेरी) की। बताते चलें काशी में ऐसी मान्यता है कि सच्चे मन से महागौरी की पूजा की जाए तो सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। माता की कृपा से समस्त लौकिक-अलौकिक सिद्धियां प्राप्त होती हैं।

मां महागौरी का परम ऐश्वर्य सिद्धि मंत्र- "सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते।।" मंत्र का जाप सबका कल्याण करता है। इसी क्रम में नौ गौरी के पूजन के लिए श्रद्धालु पंचगंगा घाट के समीप स्थित मंगला गौरी के दरबार में पहुंचे।

मंगलकारिणी मंगला गौरी के दरबार में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भोर में मंदिर के महंत के सानिध्य में अर्चकों ने देवी के विग्रह को पंचामृत स्नान कराने के बाद नूतन वस्त्र, आभूषण धारण कराया। इसके बाद भोग अर्पित कर महाआरती की। महंत नारायण गुरू के अनुसार काशी में मां मंगला गौरी सुहाग की देवी के रूप में पूजित है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम से विशालाक्षी गौरी के दरबार में भेजा गया वस्त्र और श्रृंगार सामग्री

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में वासंतिक चैत्र नवरात्र के आठवें दिन गुरूवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम से मां विशालाक्षी गौरी के दरबार में वस्त्र और श्रृंगार सामग्री का उपहार भेजा गया। मंदिर न्यास के अधिकारियों के अनुसार आज चैत्र नवरात्र का अष्टमी दिवस है, जो श्री मंगला गौरी को समर्पित है। इस पावन अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्री विश्वेश्वर को अवलोकित करवा कर, उपहार स्वरूप मां के धारण किए जाने के लिए वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री मंदिर के शास्त्रियों द्वारा विधिपूर्वक शक्तिपीठ माता विशालाक्षी को अर्पित की गई। इस क्रम में नवरात्र के अन्तिम दिन माँ गौरी के विभिन्न स्वरूपों, जिनके लिए जो दिन समर्पित है, उनके लिए वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री श्री विश्वेश्वर से अवलोकित करवा कर उपहार स्वरूप नवरात्र अवधि में प्रतिदिन प्रेषित की जाएगी। उधर, चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम जारी रहा। इसी उपलक्ष्य में नवरात्र के अष्टमी दिवस पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में देवी स्वरूप स्थापित कलश की मंदिर के शास्त्रियों द्वारा दुर्गा पाठ के माध्यम से विधिवत आराधना की गई। इस पवित्र अनुष्ठान में भक्तिभाव और आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष संचार हुआ। मंदिर प्रशासन के अनुसार, यह दुर्गा पाठ प्रतिदिन नियमित रूप से मंदिर के शास्त्रियों द्वारा माता की आराधना में समर्पित किया जा रहा है।

एशियाई खेल: निजी कोच की भारी मांग, मंत्रालय ने कहा, हमें कारण बताइए?

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में भारत के दल में निजी कोच रखने की भारी मांग को देखते हुए खेल मंत्रालय ने यह अनिवार्य कर दिया है कि सूची में निजी कोच को शामिल करने के लिए उनका 'स्पष्ट योगदान' और खिलाड़ियों के साथ 'नियमित संपर्क' होना जरूरी है। एशियाई खेल जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत के 700 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है।

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के नियमों के अनुसार, सहायक स्टाफ की संख्या दल के कुल आकार के 33 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बुधवार को यहां हुई बैठक में व्यक्तिगत कोच रखने की बढ़ती मांग तथा कुछ खेलों के मामले में खिलाड़ियों की संख्या के बराबर या उससे अधिक कोच रखने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। एक विश्वसनीय सूत्र ने पीटीआई को बताया, "निर्धारित मानदंडों से परे निजी कोच रखने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए हैं। " यह एक ऐसा मुद्दा है जो किसी भी बहु खेल आयोजन से पहले उठता रहा है। सूत्र ने किसी खिलाड़ी का नाम लिए बिना कहा, "पहले भी ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जब प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले के महीनों में किसी अन्य कोच द्वारा प्रशिक्षित किए जाने के बावजूद एक नया कोच खिलाड़ी के साथ यात्रा करता रहा है।" खेल मंत्रालय ने पिछले साल सितंबर में खिलाड़ियों के चयन के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसमें कहा गया था कि "केवल वही खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्य दल का हिस्सा होंगे, जिनके नाम सरकार के खर्च पर स्वीकृत किए गए हैं और सरकार के खर्च के बिना भी किसी अतिरिक्त खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्य को शामिल नहीं किया जाएगा।" मंत्रालय ने यह भी कहा था कि महाद्वीपीय रैंकिंग के आधार पर केवल उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल करने पर विचार किया जाएगा जिनके पास "पदक जीतने का वास्तविक मौका" हो। एशियाई स्तर पर व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष छह और टीम स्पर्धा में शीर्ष आठ में शामिल खिलाड़ी या टीम ही राष्ट्रीय महासंघों से नामांकन के पात्र होंगे। एशियाई खेलों के लिए कोचिंग स्टाफ के मुद्दे पर मंत्रालय की चर्चा के बाद यात्रा करने वाले अधिकारियों की संख्या सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया गया है। सूत्र ने बताया की कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के चयन के लिए प्रदर्शन पर आधारित दिशा निर्देश जवाबदेही तय करेंगे। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों की नियुक्ति करना जारी रखेंगे लेकिन चयन प्रक्रिया भारतीय खेल प्राधिकरण और दिग्गज खिलाड़ियों के प्रतिनिधित्व वाली चयन समिति करेगी। अंतिम समय में दल में किसी को शामिल करने से बचने के लिए सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को पहले ही चुना जाना जरूरी है।" भारत ने पिछले एशियाई खेलों में 655 खिलाड़ी तथा 260 कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भेजे थे।

इस बीच दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा द्वारा पिछले साल दिसंबर में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ अपनी एक दशक लंबी भागीदारी समाप्त करने के बाद खेल मंत्रालय ने उनके लंबे समय से कार्यरत फिजियो ईशान मारवाहा के खर्च को वहन करने के लिए कदम उठाया है। चोपड़ा के साथ अनुबंध होने तक मारवाहा का पारिश्रमिक जेएसडब्ल्यू समूह भुगतान कर रहा था। चोपड़ा अभी दक्षिण अफ्रीका में अभ्यास कर रहे हैं। उनके साथ उनके नए कोच जय चौधरी और मारवाहा भी हैं, क्योंकि मंत्रालय ने उन्हें प्रिटोरिया में अप्रैल तक रहने की अनुमति दे दी है। चोपड़ा मई में दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे।

अनमोल और साक्षी राणा ने हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार के लिए नामित होने पर जताई खुशी

नई दिल्ली। हॉकी के आठवें वार्षिक पुरस्कार समारोह से पहले देश के दो उभरते हुए हॉकी खिलाड़ी अनमोल एक्का और साक्षी राणा ने अंडर-21 वर्ग में नामांकन मिलने पर खुशी और गर्व व्यक्त किया है। यह समारोह 27 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। अनमोल एक्का को 'जुगराज सिंह पुरस्कार (वर्ष 2025 के उभरते खिलाड़ी-पुरुष अंडर-21)' के लिए नामित किया गया है, जबकि साक्षी राणा 'असुंता लकड़ा पुरस्कार (वर्ष 2025 की उभरती खिलाड़ी-महिला अंडर-21)' की प्रमुख दावेदार हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले वर्ष अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह सम्मान अर्जित किया है। अनमोल एक्का ने अपने नामांकन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत खास अनुभव है। उन्होंने एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप तमिलनाडु 2025 में शानदार खेल दिखाते हुए चार गोल किए, जो सभी पेनल्टी कॉर्नर से आए। अर्जेंटीना के खिलाफ तीसरे स्थान के मुकाबले में उनका गोल भारत को कांस्य पदक दिलाने में निर्णायक साबित हुआ, जिसके लिए उन्हें 'मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुना गया। साक्षी राणा ने भी कम उम्र में

अपनी प्रतिभा का प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने वर्ष 2025 में सीनियर भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया और बाद में एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप सैंटियागो 2025 में उपकप्तान की भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में उन्होंने तीन गोल किए। सीनियर स्तर पर अब तक 12 मुकाबलों में दो गोल करने वाली साक्षी ने भारत को एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम-नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई कराने में भी अहम भूमिका निभाई। साक्षी ने कहा कि यह नामांकन उनकी मेहनत की पहचान है और वह आगे भी पूरी लगन के साथ खेलती रहेंगी। उन्होंने बताया कि अब टीम का ध्यान आगामी विश्व कप की तैयारियों पर है, जहाँ बेहतर तालमेल और रणनीति के साथ अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य है। दोनों खिलाड़ियों का मानना है कि यह सम्मान उनके करियर की शुरुआत भर है और वे भविष्य में भारतीय सीनियर टीम में स्थायी स्थान बनाने के लिए लगातार मेहनत करते रहेंगे।

बेंगलुरु 10के में भारतीय एलीट वर्ग की अगुवाई करेंगे गुलवीर सिंह

बेंगलुरु। मौजूदा एशियाई चैंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह रविवार को बेंगलुरु में होने वाली टीसीएस वर्ल्ड 10के (10 किमी) दौड़ में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस प्रतियोगिता को वर्ल्ड एथलेटिक्स से गोल्ड लेवल का दर्जा हासिल है। गुलवीर इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने इसी महीने की शुरुआत में न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन में तीसरा स्थान हासिल किया था, जहां उन्होंने 59:42 का समय लिया था, जो किसी भी भारतीय हाफ मैराथन धावक का सर्वश्रेष्ठ समय है। टीसीएस वर्ल्ड 10के की कुल पुरस्कार राशि 210,000 अमेरिकी डॉलर है। इसमें पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को 26,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। गुलबीर ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "इस प्रतियोगिता में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है और मैं इस साल इसमें भाग लेने को लेकर उत्साहित हूं। बेंगलुरु की सड़कों पर खुद को फिर से परखने का यह एक शानदार अवसर होगा।"

बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को मुख्य कोच नियुक्त किया

बेंगलुरु। बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को 2026-27 के सत्र के अंत तक के लिए नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। इस फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को यह घोषणा की। मुनोज़ ने इससे पहले एफसी बार्सिलोना के युवा सेटअप में बारका अंडर-19 और बार्सिलोना बी के साथ काम किया है। इसके अलावा वह चीन की राष्ट्रीय टीम और वहां के दो क्लबों किंगदाओ हुआंगहाई और शेडोंग लुनेन्ग के साथ भी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। बेंगलुरु एफसी का मुख्य कोच बनने से पहले वह कंबोडिया में प्रेह खान रीच स्वे रींग के साथ यह भूमिका निभा रहे थे। कंबोडिया के क्लब के साथ उन्होंने दो साल का सफल कार्यकाल बिताया, जिसमें क्लब ने दो बार लीग और एक बार लीग कप जीता और इसके साथ ही एएफसी चैलेंज लीग के फाइनल में भी पहुंचा। मुनोज के साथ फेरान बोर्रास भी बेंगलुरु की टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे।

एशिया कप के पहले चरण में कंपाउंड तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन, रिकर्व में मिली निराशा

बैंकॉक। एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने अपना दबदबा कायम रखा तथा रजत चौहान और चिकिता तनिपार्थी की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिश्रित जोड़ी फाइनल में पहुंच गई, लेकिन रिकर्व तीरंदाजों को निराशा ही हाथ लगी। भारत के दो कांस्य पदक पहले ही पक्के हो चुके हैं, जबकि पांच खिलाड़ी फाइनल में हैं। इसके अलावा भारत दो और कांस्य पदकों के लिए दावेदार है, जिससे वह पिछले साल के आठ पदकों (पांच स्वर्ण, दो रजत, एक कांस्य) के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच गया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी होने के कारण क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश पाने वाले चौहान और तनिपार्थी ने लगातार दो जीत हासिल करके अपनी उत्कृष्टता साबित की।

भारत की मिश्रित टीम जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे को 159-155 से हराया और फिर सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान को 157-153 से पराजित किया। दोनों मैचों में 32 तीरों के बीच संभावित 320 अंकों में से भारतीय जोड़ी ने केवल चार अंक गंवाए, जिससे उनके दबदबे का पता चलता है। इससे उन्होंने देश के लिए कुल मिलाकर छठा पदक पक्का कर दिया। रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में हालांकि शीर्ष वरीयता प्राप्त रूमा बिस्वास और देवांग गुप्ता की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में वियतनाम की थी दाओ लोक और होआंग फी वू गुयेन से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी पहला सेट 35-37 से हार गई।

उन्होंने दूसरे सेट में 36 अंक बनाकर सुधार किया, लेकिन फिर भी वे पीछे रह गए क्योंकि वियतनामी जोड़ी ने एक अंक अधिक बनाकर मुकाबले में 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद वियतनाम की जोड़ी ने तीसरे सेट में सिर्फ एक अंक गंवाकर मुकाबले को अपने नाम कर दिया, जिससे भारत के रिकर्व टीम के लिए एक और निराशाजनक प्रदर्शन का अंत हुआ। भारत के पदकों की बढ़ती संख्या में कंपाउंड तीरंदाजी में शानदार प्रदर्शन का योगदान रहा है, लेकिन रिकर्व तीरंदाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में देश का स्वर्ण और रजत पदक सुनिश्चित है, क्योंकि प्रथमेश जवकर और उदय कंबोज के बीच फाइनल होगा, जबकि रजत चौहान कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में हरियाणा की उभरती हुई तीरंदाज रिधि फोर फाइनल में पहुंच गई हैं और उनका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतना होगा। भारत ने बुधवार को दो कांस्य पदक जीतकर अपना खाता खोला था। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कंबोज की अनुभवी पुरुष कंपाउंड टीम तथा रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिधि की महिला रिकर्व टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

देश के सात प्रमुख शहरों में दफ्तरों की मांग 15 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश के सात प्रमुख शहरों में दफ्तरों के लिए जगह पट्टे पर लेने की गतिविधि चालू वर्ष की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में 15 प्रतिशत बढ़ गई है। संपत्ति सलाहकार कंपनी कोलियर्स इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान सातों शहरों में कुल 1.83 करोड़ वर्ग फुट जगह किराए पर ली गई, जो पिछले साल इसी समय 1.59 करोड़ वर्ग फुट थी। इन सात शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता शामिल हैं। विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती मांग और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भारत में अपने केंद्रों का विस्तार किए जाने से दफ्तरों के बाजार में यह तेजी बनी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलुरु में दफ्तरों की मांग 18 प्रतिशत बढ़कर 53 लाख वर्ग फुट रही, जबकि हैदराबाद और पुणे में यह मांग दोगुनी होकर क्रमशः 34 लाख और 25 लाख वर्ग फुट तक पहुंच गई। मुंबई में भी इसमें 23 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में दफ्तरों की मांग 30 प्रतिशत गिरकर 23 लाख वर्ग फुट और चेन्नई में 31 प्रतिशत घटकर 20 लाख वर्ग फुट रह गई। कोलकाता में मांग पिछले साल के बराबर यानी एक लाख वर्ग फुट पर ही बनी रही।

पैकेजिंग कंपनी भारत पीईटी 760 करोड़ रुपये का आईपीओ लाएगी

नई दिल्ली। सामान पैक करने के डिब्बे और बोतलें बनाने वाली कंपनी भारत पीईटी लिमिटेड ने शेयर बाजार में अपना पहला सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाकर 760 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा किए हैं। बुधवार को बाजार नियामक के पास जमा किए गए 'मसौदा दस्तावेजों' के अनुसार, इस सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत कंपनी 120 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके साथ ही, कंपनी के प्रवर्तक अपने पास मौजूद 640 करोड़ रुपये के शेयर भी बाजार में बिक्री के लिए उतारेंगे। कंपनी आईपीओ लाने से पहले ही 24 करोड़ रुपये तक के शेयर निजी तौर पर बेचने पर भी विचार कर सकती है। यदि ऐसा होता है, तो नए जारी किए जाने वाले शेयरों की कुल राशि उसी अनुपात में कम कर दी जाएगी। 1998 में शुरू हुई यह कंपनी कीटनाशक आदि को पैक करने वाले डिब्बों के बाजार में 11 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है।

रिजर्व बैंक का एमपीसी कैलेंडर जारी

पहली मौद्रिक समीक्षा बैठक 6-8 अप्रैल को

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक का कैलेंडर जारी कर दिया है। आरबीआई की पहली तीन दिवसीय द्विमासिक एमपीसी समीक्षा बैठक 6 से आठ अप्रैल को होगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति अगले वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2026-27 में कुल छह बैठकें करेगी। केंद्रीय बैंक की ओर से यह घोषणा आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45ZI के तहत की गई है, जिसके अनुसार रिजर्व बैंक को नीतिगत बैठकों का कैलेंडर प्रकाशित करना अनिवार्य है। रिजर्व के मुताबिक यह बैठकें इसलिए होंगी, ताकि व्यापक आर्थिक स्थितियों की समीक्षा की जा सके और नीतिगत दरों और तरलता उपायों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकें। पहली बैठक 6 से आठ अप्रैल को होगी। आरबीआई की दूसरी मौद्रिक समीक्षा बैठक 3 से पांच जून तक होगी। इसके बाद 3, 4 और 5 अगस्त को तीसरी 5, 6 और 7 अक्टूबर को चौथी, 2, 3 और 4 दिसंबर को पांचवीं तथा 3, 4 और 5 फरवरी, 2027 को छठी तीन

दिवसीय की बैठकें आयोजित की जाएंगी। आमतौर पर एमपीसी की समीक्षा बैठक के तीसरे दिन समिति प्रस्ताव पर मतदान करती है और मतदान पूरा होने के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर निर्णय की घोषणा करते हैं। मौद्रिक नीति समिति में कुल छह सदस्य होते हैं। एमपीसी महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रेपो रेट तय करने का काम करती है। इसमें तीन आरबीआई अधिकारी (गवर्नर सहित) और तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं, जिन्हें केंद्र सरकार नियुक्त करती है। एमपीसी की समीक्षा बैठकों पर शेयर बाजारों की नजर रहती है, क्योंकि इनमें नीतिगत रेपो रेट निर्धारित की जाती है और मुद्रास्फीति और विकास पर केंद्रीय बैंक का रुख स्पष्ट किया जाता है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 4 से 6 फरवरी को अपनी बैठक में सर्वसम्मति से नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा था।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल पांच रुपये, डीजल तीन रुपये लीटर महंगा किया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी निजी ईंधन कंपनी 'नायरा एनर्जी' ने बृहस्पतिवार को पेट्रोल की कीमतों में पांच रुपये और डीजल में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद कंपनी ने यह कदम उठाया है। रूस की 'रोसनेफ्ट' के स्वामित्व वाली इस कंपनी के देश भर में 6,967 पेट्रोल पंप हैं।

सूत्रों के मुताबिक, अलग-अलग राज्यों में मूल्य वर्धित करों (वैट) के कारण कीमतों में बढ़ोतरी का स्तर थोड़ा कम या ज्यादा हो सकता है। कुछ स्थानों पर पेट्रोल 5.30 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हुआ है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों (आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल) ने फिलहाल सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। निजी कंपनियों का कहना है कि सरकारी कंपनियों के विपरीत उन्हें घाटे की भरपाई के लिए सरकार से कोई आर्थिक मदद नहीं मिलती, इसलिए उनके पास कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था।

भारत अपनी जरूरत का 88 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से मंगाता है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद समुद्र के रास्ते माल ढोने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल के दाम बहुत बढ़ गए थे।

सरकारी कंपनियों ने सामान्य ईंधन के दाम तो स्थिर रखे हैं, लेकिन उन्होंने पिछले सप्ताह प्रीमियम पेट्रोल के दाम दो रुपये और बड़े उद्योगों को बेचे जाने वाले थोक डीजल के दाम करीब 22 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए थे। दिल्ली में फिलहाल सामान्य पेट्रोल 94.77 रुपये और सामान्य डीजल 87.67 रु प्रति लीटर मिल रहा है।

ग्लोबल मार्केट में आसमान पर पहुंचा जेट फ्यूल, हवाई सफर पर असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से हवाई सफर बुरी तरह से प्रभावित होने की आशंका बन गई है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण पिछले एक महीने की अवधि में जेट फ्यूल यानी एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में वैश्विक स्तर पर 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी आ गई है। ऐसी स्थिति में विमानन कंपनियों के सामने हवाई यात्रा को महंगा करने की मजबूरी बन गई है। जेट फ्यूल की बढ़ी कीमत के कारण दबाव का सामना कर रही विमानन कंपनियों ने इस संबंध में केंद्र सरकार से एयरपोर्ट चार्ज में कटौती करने की मांग की है। इन कंपनियों का कहना है कि अगर एयरपोर्ट चार्ज में कटौती नहीं की गई, तो हवाई किराए में

उन्हें लगभग दोगुनी बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। फरवरी से लेकर अभी तक की अवधि में जेट फ्यूल की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। 20 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल 95.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बिक रहा था, जो अब बढ़ कर 197 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है। इस तरह जेट फ्यूल की कीमत में एक महीने की अवधि में दोगुनी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल की कीमत में आई तेजी का असर भारतीय बाजार में भी साफ-साफ नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से सामंजस्य बैठाने और बड़े नुकसान से बचने के लिए भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) अप्रैल के महीने में एटीएफ की कीमत में एक बार फिर बड़ी बढ़ोतरी करने का ऐलान कर सकती हैं। ऐसा होने पर पहले ही बढ़े हुए ऑपरेटिंग कॉस्ट का सामना कर रही विमानन कंपनियों के ऑपरेटिंग कॉस्ट और अधिक बढ़ोतरी हो सकती है। ऑपरेटिंग कॉस्ट में बढ़ोतरी होने का असर हवाई टिकट के मूल्य पर भी नजर आ सकता है। ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ने की आशंका से चिंतित विमानन कंपनियों ने केंद्र सरकार से हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज को कम करने की मांग की है। इसके साथ ही इन कंपनियों ने टैक्स के मोर्चे पर भी केंद्र सरकार से राहत देने का अनुरोध किया है, ताकि जेट फ्यूल की कीमत में बढ़ोतरी होने की वजह से बढ़ी हुई लागत की कुछ हद तक भरपाई की जा सके। हालांकि मौजूदा व्यवस्था के तहत हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज में कटौती होने की संभावना काफी कम मानी जा रही है। जानकारों का कहना है कि देश के ज्यादातर प्रमुख हवाई अड्डों को निजी कंपनियां संचालित कर रही हैं। ऐसी स्थिति में वे किसी भी तरह की छूट देने का विरोध कर सकती हैं। जानकारों का कहना है कि किसी भी एयरलाइन के कुल ऑपरेटिंग कॉस्ट में जेट फ्यूल पर होने वाला खर्च लगभग 40 प्रतिशत होता है। जेट फ्यूल की कीमत बढ़ने पर स्वाभाविक रूप से कंपनियों के मुनाफे में भी कमी आ जाती है। कहा जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित करने वाली विमानन कंपनियां को कई रूट पर लंबी उड़ान भी भरनी पड़ रही है। खाड़ी क्षेत्र में कई देशों के एयर स्पेस बंद होने की वजह से विमानों को लंबा रूट अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे जेट फ्यूल की खपत भी बढ़ गई है और उड़ानों के संचालन पर होने वाला खर्च भी बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में अगर विमानन कंपनियों को एयरपोर्ट चार्ज और टैक्स में रहता नहीं मिला, तो उनके सामने हवाई किराए में बढ़ोतरी करने के अलावा और कोई चारा नहीं होगा।

" मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत आम और सहज हो सके। "

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

Tele MANAS 14416

टेली मानस

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल

क्या आप किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं?

कभी भी, कहीं से भी टेली मानस के माध्यम से सहायता पाएं।
24/7, 20+ भाषाओं में, पूरे भारत में उपलब्ध।

इन चिंताओं के लिए हमें कॉल करें:

- उदासी, चिंता या तनाव
- नींद की समस्या
- परीक्षा का तनाव
- परिवार से जुड़ी समस्याएँ
- आत्महत्या से जुड़े विचार
- नशे से संबंधित समस्याएँ
- रिश्तों में परेशानी
- याददाश्त से जुड़े मुद्दे
- पैसों की चिंता या अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ

"पिछले 3 वर्षों में हमने 30 लाख से अधिक कॉल्स में सहायता की है।"

टेली मानस ऐप डाउनलोड करें और स्व-देखभाल सामग्री तथा वेलनेस अभ्यास मॉड्यूल देखें।

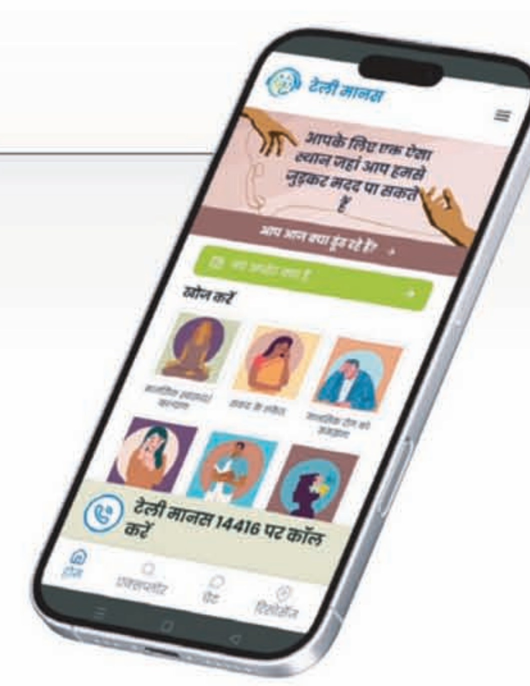

टेली मानस को कॉल करें

24/7

14416

टोल-फ्री नंबर

- 10 क्षेत्रीय भाषाओं + अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध।
- दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स।
- मिलिए 'अस्मी' से आपके सवालों, जानकारी और सहायता के लिए आपका चैटबॉट।

यहाँ स्कैन करें

टेली मानस के बारे में और जानने व ऐप डाउनलोड करने के लिए!

CBC 17193/13/0010/2526